संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 264
पृष्ठ 8
गुरुवार
13 जून 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मी के मौसम में पीएं बेल...
विचार- सवाल शुचिता का
खेल- भारतीय एकादश में बदलाव की संभावना

चंद्रबाबू नायडू चौथी बार आंध्र प्रदेश के सीएम बने

पवन कल्याण डिप्टी सीएम, टीडीपी से 20, जनसेना से 3 और भाजपा से 1 मंत्री ने शपथ ली

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश में भी NDA की सरकार बन गई है। तेलगु देशम पार्टी (TDP) सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को राज्य के 24वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। चंद्रबाबू ने राज्य की चौथी बार कमान संभाली। इसके साथ ही उन्होंने आंध्र में सबसे ज्यादा बार मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

नायडू के अलावा जनसेना प्रमुख और एक्टर पवन कल्याण ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। उन्होंने शपथ लेने के बाद नायडू के पैर छुए। तीसरे नंबर पर नायडू के बेटे नारा लोकेश ने शपथ ली। नई सरकार में सीएम और डिप्टी सीएम समेत 25 सदस्य होंगे। इसमें TDP के 20, जनसेना के 3 और भाजपा के एक मंत्री शामिल हैं। एक पद खाली रखा गया है।

राज्यपाल अब्दुल नजीर ने विजयवाड़ा में केसरपल्ली IT पार्क में सीएम और मंत्रियों को शपथ

दिलाई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह समेत NDA के मंत्री और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। शपथ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नायडू को गले लगाकर बधाई दी।

कैबिनेट में नायडू के बेटे को भी जगह

नायडू के कैबिनेट में उनके बेटे और TDP महासचिव नारा लोकेश, प्रदेश अध्यक्ष के. अत्चन्नायडू और जनसेना पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष नादेंडला मनोहर शामिल हैं। TDP के मंत्रियों में 17 नए चेहरे हैं। बाकी 3 पहले भी मंत्री रह चुके हैं।

जनसेना पार्टी के तीन मंत्री पवन कल्याण, नादेंडला मनोहर और कंडुला दुर्गेश हैं। सत्य कुमार यादव एकमात्र भाजपा विधायक हैं, जिन्होंने मंत्री पद की शपथ ली। मंत्रिमंडल में तीन महिलाएं हैं। सीनियर नेता एन मोहम्मद फारूक एकमात्र मुस्लिम चेहरा हैं।

मंत्रियों की लिस्ट में पिछड़ा वर्ग से 8, अनुसूचित जाति से 3 और अनुसूचित जनजाति से 1 शामिल है। नायडू ने कम्मा और कापू समुदायों से 4-4 मंत्रियों को शामिल किया है। रेड्डी समुदाय से 3 और वैश्य समुदाय से 1 को भी कैबिनेट में जगह मिली है। नायडू खुद कम्मा समुदाय से हैं। वहीं पवन कल्याण कापू समुदाय से आते हैं।

आंध्र प्रदेश में 4 जून को लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आए थे। राज्य में TDP, भाजपा और जन सेना पार्टी (JSP) मिलकर चुनाव लड़ी थी। गठबंधन में सीट शेयरिंग के तहत विधानसभा की 175 सीटों में से TDP ने 144, जन सेना पार्टी ने 21 और भाजपा ने 10 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे।

हरियाणा की कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग

अंदर काम कर रहे थे कर्मचारी, लोग बोले- फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लेट पहुंचीं

लीडिंग फायरमैन बोले- दूसरी मंजिल में रखा सारा सामान जला।

पानीपत, एजेंसी। हरियाणा के पानीपत में बुधवार दोपहर सेक्टर 29 स्थित आदर्श कपड़े की फैक्ट्री में आग लग गई। घटना के वक्त फैक्ट्री के अंदर 20 से 25 कर्मचारी काम कर रहे थे। आग के भयंकर रूप लेने से पहले ये सभी बाहर निकल आए थे। जिससे जानी नुकसान होने से बच गया।

इसके बाद सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और वहां जमा भीड़ को खदेड़ा। अभी तक आग कंट्रोल नहीं हुई है।

आग लगने के बाद आसपास के इलाके को सील कर दिया गया है। किसी भी व्यक्ति को आसपास नहीं जाने

दिया जा रहा।

वहीं लोगों ने बताया कि आग लगने की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दे थी, लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लेट पहुंचीं। गाड़ियों के पहुंचने से पहले आग ने भयंकर रूप ले लिया था।

पानीपत के लीडिंग फायरमैन अमित कुमार ने कहा कि फैक्ट्री की दूसरी बिल्डिंग में भयंकर आग लगी है। सारा सामान जल गया है। यहां कपड़ा और धागा था। फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। करनाल और सोनीपत में भी फायर ब्रिगेड को मैसेज भेज दिया गया है। कितना नुकसान हुआ है, इसका पता आग बुझने के बाद ही लगेगा।

सेक्टर 29 पार्ट 2 में आदर्श होम फर्निशिंग स्स्च से दमकल की गाड़ियां रिफिल की जा रही हैं। ये प्लॉट नंबर 18 है। इसके मालिक का नाम बलदेव राज खुराना है।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी अगले सेना प्रमुख

30 जून को पदभार संभालेंगे, इसी दिन मौजूदा सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे रिटायर हो रहे।

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने मंगलवार 11 जून की रात लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को नया आर्मी चीफ अपॉइंट किया है। वे मौजूदा सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून को पदभार संभालेंगे। इसी दिन मौजूदा सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे रिटायर हो रहे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। इससे पहले वे सेना के वाइस चीफ, नॉर्दर्न आर्मी कमांडर, DG इन्फेंट्री और सेना में कई अन्य कमांड के प्रमुख के रूप में देश की सेवा कर चुके हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी वर्तमान में वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद पर कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति में सरकार ने सीनियॉरिटी के सिद्धांत का पालन किया है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी के बाद सबसे

सीनियर अफसर दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी और लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह दोनों को 30 जून को रिटायर होना था। तीनों सेनाओं के प्रमुख 62 साल की उम्र तक या तीन साल, इनमें से जो भी पहले हो, तब तक सेवा दे सकते हैं।

हालांकि, लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अधिकारियों की रिटायरमेंट एज 60 साल है, जब तक कि अधिकारी को फोर स्टार रैंक के लिए अप्रूव नहीं किया जाता है। टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को लेकर उत्साही होने के नाते, लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने नॉर्दर्न कमांड में सभी रैंकों की टेक्निकल बाउंड्रीज को बढ़ाने की दिशा में काम किया।

वायनाड या रायबरेली? असमंजस में राहुल गांधी

कहा- अंतिम फैसले पर नहीं पहुंच पा रहा हूं

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को उत्तरी केरल जिले में एक रोड शो किया और कहा कि वह यह तय करने में असमर्थ हैं कि एक सांसद के रूप में वायनाड या रायबरेली का प्रतिनिधित्व करना है या नहीं। उन्होंने कहा कि मैं खुद को एक दुविधा में फंसा हुआ पाता हूं, अंतिम निर्णय पर पहुंचने में असमर्थ हूं। क्या मुझे वायनाड के सांसद के रूप में प्रतिनिधित्व करना चाहिए या रायबरेली में बने रहना चाहिए? गांधी परिवार ने लगातार दूसरी बार वायनाड लोकसभा सीट काफी अंतर से जीती और समर्थन दिखाने के लिए जनता को धन्यवाद देने के लिए मंच पर आए। गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट भी जीती।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद यह राहुल गांधी की राज्य की पहली यात्रा है। उन्होंने कहा, श्नफरत को प्यार और स्नेह से, अहंकार को विनम्रता से हराया गया है।श् राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड और रायबरेली दोनों उनके फैसले से खुश होंगे। उन्होंने कहा कि केरल, उत्तर प्रदेश और अन्य सभी राज्यों के लोगों ने प्रधान मंत्री को दिखाया कि वह भारत के लोगों को यह नहीं बता सकते कि वे क्या चाहते हैं।

हम विपक्ष की भूमिका निभाते रहेंगे

दिल्ली में जो सरकार बनी है वह अपंग सरकार है। विपक्ष ने भाजपा को गहरी चोट पहुंचाई है। मोदी जी का एटीट्यूड भी बदल गया है। विपक्ष का कर्तव्य हम निभाते रहेंगे। हम गरीबों की बात संसद में उठाते रहेंगे। मोदी ने कहा था कि 400 पार होगा। फिर बोला की 300 पार होगा। लेकिन 300 पार भी नहीं हो पाए।

मोदी-शाह तानाशाही नहीं कर सकेंगे

मोदी-शाह को लगा कि सिर्फ ईडी- सीबाई उनके पास है तो वे तानाशाही कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश और केरल के लोगों ने उन्हें बताया कि वो लोग तानाशाही नहीं कर सकते हैं। इस चुनाव में नफरत और हिंसा को मुहब्बत ने हरा दिया है। अहंकार को मानवता ने हरा दिया है।

भारत की जनता भी पीएम से कहती है कि संविधान हमारी आवाज है, इसे मत छुएं।

उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि प्रधानमंत्री वाराणसी में बमुश्किल बच पाए और वाराणसी में तो वे खुद ही हार गए होते। अयोध्या में बीजेपी की हार हुई। अयोध्या के लोगों ने संदेश दिया है कि हम नफरत और हिंसा की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको बता सकता हूं कि दिल्ली में जो सरकार बनी है वह अपंग सरकार है। आप देखेंगे कि नरेंद्र मोदी को भी अपना रवैया बदलना होगा क्योंकि भारत की जनता ने उन्हें स्पष्ट संदेश दे दिया है। हमने भारत के लोगों के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तावित किया। एक गरीब समर्थक, दयालु दृष्टिकोण और हम उस दृष्टिकोण के लिए लड़ेंगे। हम भारत को एक निष्पक्ष और अधिक उत्पादक समाज बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

सभी जिलों में प्रभारी मंत्री नियुक्त, सम्राट को पटना की जिम्मेदारी

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बिहार में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति कर दी है। उपमुख्यमंत्री सम्राट

चौधरी को पटना और विजय कुमार सिन्हा को मुजफ्फरपुर, भोजपुर का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। वहीं सीएम नीतीश कुमार के करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी को पूर्णिया, नालंदा और मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव को वैशाली का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन को औरंगाबाद और मंत्री सुमित कुमार संह सारण का मंत्री बनाया गया है।

वहीं बिहार सरकार के मंत्री प्रेम कुमार को नवादा, श्रवण कुमार को समस्तीपुर और मधेपुरा, पूर्व उपमुख्यंत्री रेणु देवी को सीवान, मंत्री मंगल पांडेय को दरभंगा और बेगूसराय, नीरज कुमार सिंह को कटिहार, मंत्री अशोक चौधरी को सीतामढ़ी और जहानाबाद, लेशी सिंह को मधबुनी, मदन सहनी को सुपौल, मंत्री नीतीश मिश्रा को अररिया और गया का प्रभारी मंत्री बनाया गया है।

वहीं मंत्री नितिन नवीन को बक्सर, कैमूर, मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल को सहरसा, मंत्री महेश्वर हजारी को खगड़िया, शीला कुमार को शेखपुरा और लखीसराय, सुनील कुमार को पूर्वी चंपारण, जनक राम को पश्चिमी चंपारण, हरी सहनी को अरवल, कृष्णनंदन पासवान को गोपालगंज, जयंत राज को रोहतास, जमा खान को किशनगंज और शिवहर, रत्नेश सदा को जमुई, केदार प्रसाद गुप्ता को मुंगेर, सुदेश मेहता को बांका और संतोष कुमार सिंह भागलपुर का प्रभारी मंत्री बनाया गया है।

अखिलेश यादव ने विधायकी से दिया इस्तीफा

अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने भी छोड़ी विधायकी, करहल से तेज प्रताप को लड़ा सकते हैं

लखनऊ, एजेंसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी

की करहल विधानसभा सीट और नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्स्तीफा दे दिया है। 1 दिन पहले उन्होंने इसका ऐलान किया था। अखिलेश के साथ अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने भी विधायकी से इस्तीफा दे दिया।

अवधेश प्रसाद ने कहा- हमने और राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफा भेज दिया है। जैसे हम विधानसभा में साथ बैठते थे, वैसे ही लोकसभा में बैठेंगे। अंबेडकर नगर से समाजवादी पार्टी के नव निर्वाचित लोकसभा सांसद लालजी वर्मा ने भी इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, अभी विधानसभा अध्यक्ष ने इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। चर्चा है कि अखिलेश करहल सीट से लालू यादव के दामाद तेज प्रताप सिंह यादव को उतार सकते हैं। हालांकि, 2 और नाम की चर्चा है। इनमें सपा नेता राम गोपाल यादव के भांजे अरविंद यादव और पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव शामिल हैं। अखिलेश ने 2022 में मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। जीत के बाद आजमगढ़ के सांसद पद से उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। आजमगढ़ में उपचुनाव हुए, उसमें भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ ने जीत दर्ज की थी।

विधानसभा सीट छोड़ने के पीछे की 4 संभावित वजह (जैसा एक्सपर्ट ने बताया)

- यूपी में अब 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। 3 साल प्रदेश की राजनीति में ज्यादा कुछ करने के लिए नहीं है। इसलिए अखिलेश अब अपना फोकस दिल्ली की तरफ करेंगे।
- 2024 के रिजल्ट में सपा देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। अखिलेश को अब केंद्रीय राजनीति में स्पेस नजर आ रहा है। पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए उन्होंने यह फैसला किया।
- सपा का वजूद अभी सिर्फ यूपी में है। केंद्र में जाकर अखिलेश न सिर्फ हिंदी पट्टी के राज्य, मुस्लिम बहुल राज्यों में भी पार्टी का जनाधार बनाना चाहते हैं।
- कन्नौज सीट से 2019 चुनाव में डिंपल यादव भाजपा प्रत्याशी से हार गई थीं। 2024 में अखिलेश कन्नौज से 1.70 लाख वोट के अंतर से जीत दर्ज की। ऐसे में अखिलेश सीट छोड़कर वहां के लोगों का भरोसा नहीं तोड़ना चाहते।

सरकार लोगों के 'जीवन की सुगमता' सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : सीतारमण

नयी दिल्ली, एजेंसी। लगातार दूसरी बार वित्त और कंपनी मामलों की मंत्री बनाई गई निर्मला सीतारमण ने आज यहां नॉर्थ ब्लॉक में कार्यभार ग्रहण करते हुए कहा कि सरकार अपने नागरिकों के लिए 'जीवन की सुगमता' सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में आगे भी कदम उठाती रहेगी।

श्रीमती सीतारमण का नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में वित्त सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन और वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अन्य सचिवों ने स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्हें फिर से केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री के रूप में काम करने और उनके मार्गदर्शन में भारत और इसके लोगों की सेवा करने का अवसर मिला।

श्रीमती सीतारमण ने पिछले 10 वर्षों में मजबूत नेतृत्व और विकासोन्मुखी शासन को स्वीकार किया, जिसने विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं और एक मजबूत और लचीली अर्थव्यवस्था बनाई है।

कार्यभार संभालने के बाद, वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के विभिन्न विभागों के सचिवों ने मौजूदा नीतिगत मुद्दों पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्री को जानकारी दी।श्रीमती सीतारमण ने यह भी कहा कि 2014 से किए गए सुधार जारी रहेंगे, जो भारत के लिए व्यापक आर्थिक स्थिरता और विकास प्रदान करेंगे। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के बीच हाल के वर्षों में भारत की सराहनीय विकास कहानी पर भी प्रकाश डाला और कहा कि आने वाले वर्षों के लिए एक आशावादी आर्थिक दृष्टिकोण है।

उन्होंने विभागों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के विकास एजेंडे को नए जोश के साथ आगे बढ़ाने और प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए उत्तरदायी नीति निर्धारण सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' में विश्वास करती है और उन्होंने एक मजबूत और जीवंत अर्थव्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उद्योग जगत के नेताओं, नियामकों और नागरिकों सहित सभी हितधारकों के निरंतर समर्थन और सहयोग का आह्वान किया।

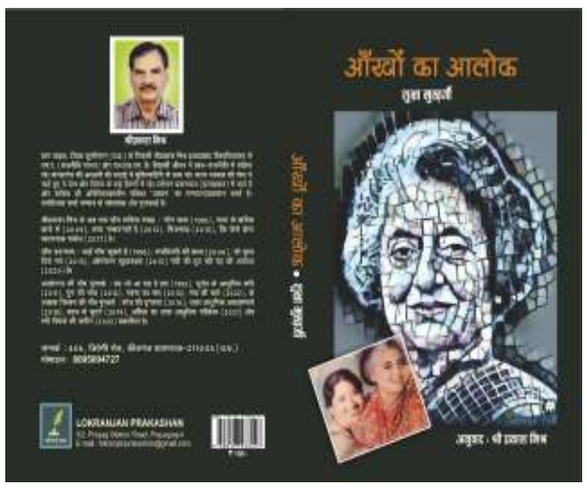

गर्लफ्रेंड का खर्च उठाने को बीए पास बना फ्रॉड

ऑनलाइन गेमिंग की जालसाजी में 12वीं और डिप्लोमा वाले भी शामिल, 2.53 करोड़ का मिला ट्रांजेक्शन

प्रयागराज। गर्लफ्रेंड का खर्च बहुत बढ़ गया था। रोज अच्छे रेस्टोरेंट में खिलाना और महंगे गिफ्ट की डिमांड से मैं परेशान हो गया था। एक दिन गाजीपुर के रहने वाले अजीम फरीद के जरिए पता चला कि ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर 3 कंपनियां चल रही हैं। लोगों को फंसाकर गेम की लत लगानी है। बीए पास करने के बाद नौकरी भी नहीं मिल रही थी। जैसे ही मुझे 30 हजार रुपए महीने की सैलरी का ऑफर हुआ मैंने तुरंत हां कर दी। फिर लंबी रकम हारने वाले ग्राहक फंसाने पर मोटा कमीशन मिलने लगा। यह बातें ऑनलाइन गेमिंग के जरिए फ्रॉड करने वाले आरोपी आशुतोष यादव ने पुलिस के सामने कबूली। बता दें मंगलवार को प्रयागराज पुलिस ने ऑनलाइन जालसाजी करने वाले बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो कि पूरा गैंग बनाकर ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर करोड़ों का खेल कर रहे थे। पुलिस लाइन में मीडिया के सामने पेश होने के बाद आरोपियों को जब जेल ले जाया जाने लगा तो कई के चेहरों पर पछतावे की लकीर साफ नजर आ रही थी।

गिरफ्तार साइबर ठग

- सूरज चौरसिया निवासी प्रतापगढ़।
- पीयूष यादव उर्फ प्रिंस निवासी गाजीपुर।
- घनश्याम वर्मा निवासी छत्तीसगढ़।
- हिमांशु यादव निवासी गाजीपुर।
- मनीष निषाद निवासी छत्तीसगढ़।
- अजीम फरीद निवासी गाजीपुर।
- शादाब निवासी गाजीपुर।
- प्रवीण वर्मा निवासी छत्तीसगढ़।
- विजय निषाद निवासी छत्तीसगढ़।
- राहुल कामले निवासी छत्तीसगढ़।
- मो. समीर निवासी भदोही।
- आशुतोष यादव निवासी गाजीपुर।

हाई प्रोफाइल परिवार के लड़कों को फंसाना जिम्मेदारी

गाजीपुर के रहने वाले हिमांशु ने पॉलिटेक्निक से डिप्लोमा किया है। 22 साल के हिमांशु को यह काम सौंपा गया था कि वह हाई प्रोफाइल परिवार के लड़कों को किसी प्रकार लालच देकर अपनी साइट पर गेम खेलने के लिए लाए। इसके लिए हिमांशु फेसबुक पर जुड़ा रहता था। कम उम्र के युवकों से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर दोस्ती गांठता था। फिर झूठ बोलता था कि फलां साइट पर ऑन लाइन गेम खेलने पर उसे 60 हजार रुपए का फायदा हुआ। ऐसे में कइयों को उसने बैंक अकाउंट के फर्जी स्टेटमेंट दिखाकर बेवकूफ बनाया। वह अमीर परिवार के लड़कों का मोबाइल नंबर पता कर उस पर लिंक भेजा करता था। 15 दिनों से 2.53 करोड़ की ऑनलाइन गेमिंग प्रयागराज पुलिस ने ऑनलाइन जालसाजी करने वाले बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया तो फ्रॉड के एक से बढ़कर एक राज खुलने लगे। आरोपियों से बरामद मोबाइल, लैपटॉप, डायरी और हिसाब किताब से साफ हुआ कि यह कितना बड़ा गिरोह है और कैसे आपरेट कर रहा था। लैपटॉप और मोबाइल के जरिए जांच से साफ हुआ कि तीन ऑनलाइन गेमिंग की वेबसाइट पर एक साल में इन शातिरों ने करीब 17 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों को जोड़ा था। खिलाड़ी यूपी के साथ बिहार के अन्य शहरों से जुड़ रहे थे। पूछताछ और पास मिले बैंक अकाउंट की डिटेल, पासबुक से साफ हुआ कि 15 दिनों में यूपी और बिहार में 13 करोड़ रुपए से ज्यादा का खेल हुआ। प्रयागराज की बात करें तो 15 दिनों से 2.53 करोड़ की ऑनलाइन गेमिंग से पर्दा उठा है। डीसीपी यमुना नगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बताया– पुलिस को इंटेलिजेंस के जरिए इस बड़े रैकेट का पता चला। नैनी इलाके से ऑपरेट होने की बात पता चलने पर टीमों को लगाया गया।

अब बताते हैं प्रयागराज पुलिस ने कैसे खुलासा किया

प्रयागराज पुलिस ने ऑनलाइन जालसाजी करने वाले बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गैंग ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर करोड़ों का खेल कर रहा था। तीन वेबसाइट लेजर, 99 एक्सचेंज और 11 एक्स प्ले के जरिए यह शातिर क्रिकेट, फुटबाल, हॉकी, लूडो, चेस, कार रेस, बॉक्सिंग आदि खेलों के जरिए रुपए लगवाते था। गैंग के संचालक पहले ऑनलाइन गेमिंग में लड़कों को जीता देते थे ताकि उनकी लत बढ़ जाए फिर बढ़ी रकम लगने पर उन्हें हराकर लाखों कमाते था। गेमिंग का पूरा फार्मेट गैंग के पास होता था। ऐसे में वह जब चाहे जिस हरा और जीता सकते थे। डीसीपी यमुना नगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय की स्पेशल टीमें इस गिरोह की गतिविधियों को वॉच कर रही थी। सटीक जानकारी और सुराग पाने के बाद मंगलवार को गिरोह के 12 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। शातिरों के पास से 42 मोबाइल बरामद किया है। साथ ही 12 लैपटॉप, 52 सिम कार्ड बरामद हुए। पकड़े गए गिरोह के पास से ऑनलाइन गेमिंग संचालन से कमाई रकम का ब्योरा मिला है। इसमें 2 करोड़ 53 लाख रुपए का लेखा–जोखा है जिसे लेकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

बिहार के गोपालगंज से भी गिरफ्तारी

यहां पकड़े गए गिरोह के तार बिहार के गोपालगंज से जुड़े हैं। धरपकड़ के बाद प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस ने बिहार पुलिस से संपर्क कर जानकारी साझा की तो वहां भी आरोपी पकड़े गए। डीसीपी यमुना नगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने गिरोह के पकड़े जाने के बाद उन्हें पुलिस लाइन सभागार में मीडिया के सामने पेश किया। बताया कि ऑनलाइन गेमिंग के लिए इन लोगों ने तीन साइट बनाई हुई थी। सोशल मीडिया साइट पर बड़ी गेमिंग कंपनियों की तरह यह एड देते थे।

सोशल मीडिया पर प्रचार, एंट्री फीस भी

फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप ग्रुप समेत अन्य प्लेटफार्म पर अपनी तीनों साइट का प्रचार कर युवाओं को गेम खेलने पर मोटी रकम मिलने का लालच देते थे। इसके बाद 100 रुपए की एंट्री फीस पर उसे मेंबर बनाकर फ्रॉड करते थे। खिलाड़ियों को फंसाने के लिए शुरुआती दौर में वह 30 से 35 हजार रुपए तक जीता भी देते थे ताकि खिलाड़ी को विश्वास हो जाए और वह लाखों की रकम लगाने लगे। जैसे ही मोटी रकम लगती वह गेम हरा देते थे। इनके 11 बैंक खातों का पता चला है इसमें रुपए ट्रांसफर होते थे। पकड़े गए गिरोह के सदस्यों ने नैनी इलाके में एक अपार्टमेंट किराए पर ले रखा था। हर दो माह बाद घर बदल देते थे। अपार्टमेंट में छापामारी में बहुत सारे लोगों के आधार कार्ड भी मिले हैं।

प्रयागराज में विधायक पूजा पाल पर अभद्र टिप्पणी

चुनाव को लेकर सोशल मीडिया पर किया ट्रोल, 7 लोगों पर एफआईआर

प्रयागराज। कौशांबी की चायल सीट की विधायक पूजा पाल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रोल किया गया। इंस्टाग्राम पर विधायक को लेकर अभद्र टिप्पणी की गई। लोकसभा चुनाव को लेकर उलटी सीधी बातें लिखीं गईं। पूजा पाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के स्क्रीन शॉट, नंबर के आधार पर आला अफसरों से

शिकायत की। मंगलवार रात धूमनगंज थाने में 7 नामजद लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया गया है। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस जांच कर रही है। मामले में सोनू, मोनू यादव, रविराज यादव, मनप्रीत, पंकज निषाद, देवराज सिंह, आदर्श समेत अन्य के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा में केस दर्ज हुआ है। पूजा पाल ने इन सभी लोगों की आईडी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर की गई टिप्पणी, स्क्रीन शॉट आदि पुलिस को सौंपे हैं। विधायक का आरोप है कि यही सारे लोग पहले भी उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करते रहे हैं। उनके सपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने के मामले में भी इन लोगों ने अभद्र टिप्पणी की थी। कई लोगों ने पूजा पाल की शादी को लेकर भी गलत बातें प्रचारित की थीं। इससे पहले पूजा पाल सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सफाई दे चुकी हैं। एसीपी धूमनगंज वरुण कुमार का कहना है कि विधायक की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

प्रयागराज सबसे गर्म शहरों में टॉप पर

47 डिग्री के पार पहुंचा शहर का पारा, तेज धूप और गर्मी से हर कोई बेहाल

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में लगातार भीषण गर्मी और तेज धूप से लोग त्रस्त हैं। सुबह 7 बजे से ही सूरज का तेवर तेज हो जा रहा है। सबसे गर्म शहरों में प्रयागराज पिछले चार दिनों से टॉप पर चल रहा है। कल मंगलवार को इस माह का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया, यहां का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सुबह से देर रात तक लोग गर्मी से जूझते रहे। यही हाल बुधवार को भी है। सुबह 7 सुबह से ही तापमान बढ़ने लगा। आज भी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। सुबह ही तापमान 35 डिग्री तक पहुंच गया।

अभी और भी सताएगी धूप और गर्मी : फिलहाल अभी गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिलने वाली है। इसी तरह तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियस तक बना रहेगा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अभी 16–17 जून तक फिलहाल गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। तेज धूप के चलते दिन भर बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं, एक तरफ जहां गर्मी लोगों को परेशान कर रही है वहीं बिजली कटौती से लोग बेहाल हैं। बिजली आपूर्ति बाधित होने से विभिन्न इलाकों में पानी की भी समस्या आ रही है।

यहां चार साल में 50 फीसदी तक घटा हथियारों का कारोबार, एक साल में बंद हुई 4 दुकाने

प्रयागराज। एक वक्त था, जब हथियारों का कारोबार करने वाले दुकानों पर खरीदारों की लंबी लाइन लगा करती थी। भीड़ ज्यादा होने के कारण एक–एक ग्राहकों को दुकानों में प्रवेश दिया जाता था, लेकिन अब कारोबार इसके ठीक उलट हो गया है।

विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के संचालन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 09063/09064 वापी - दानापुर - भैस्तान ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी

वापी से दानापुर, गाड़ी संख्या 09063, प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार एवं शनिवार दिनांक 14.06.2024 से 13.07.2024 तक

दानापुर से भैस्तान, गाड़ी संख्या 09064, प्रत्येक गुरूवार, रविवार एवं सोमवार दिनांक 16.06.2024 से 15.07.2024 तक

गाड़ी संरचना स्लीपर श्रेणी-14 (आरक्षित), स्लीपर श्रेणी-04 (अनारक्षित) एवं एसएलआर/डी-02

गाड़ी सं. 09063 वापी - दानापुर			गाड़ी सं. 09064 दानापुर - भैस्तान	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	22:00	वापी	-----	-----
23:18	23:20	भैस्तान	23:30	-----
22:35	22:40	मानिकपुर	19:45	19:50
00:15	00:20	प्रयागराज छिवकी	17:30	17:35
08:00	-----	दानापुर	-----	11:00

गाड़ी सं. 04823/04824 जोधपुर जं.-मऊ जं.-जोधपुर जं. ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी

जोधपुर जं. से गाड़ी संख्या 04823, प्रत्येक शनिवार दिनांक 15.06.2024 से 29.06.2024 तक

मऊ जं. से गाड़ी संख्या 04824, प्रत्येक सोमवार दिनांक 17.06.2024 से 01.07.2024 तक

गाड़ी संरचना वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-2 एवं एसएलआर/डी-02

गाड़ी सं. 04823 जोधपुर जं.-मऊ जं. विशेष			गाड़ी सं. 04824 मऊ जं.-जोधपुर जं. विशेष	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	17:30 (शनि)	जोधपुर जं.	08:55 (मंगल)	-----
04:00	04:05	मथुरा जं.	20:15	20:22
11:50	12:05	कानपुर सेंट्रल	13:50	13:55
23:20 (रवि)	-----	मऊ जं.	-----	04:00 (सोम)

गाड़ी सं. 03243/03244 पटना जं.-मंगलूरु जं.-पटना जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

पटना जं. से गाड़ी संख्या 03243, प्रत्येक शनिवार दिनांक 15.06.2024 से 29.06.2024 तक

मंगलूरु जं. से गाड़ी संख्या 03244, प्रत्येक मंगलवार दिनांक 18.06.2024 से 02.07.2024 तक

गाड़ी संरचना सामान्य श्रेणी-03, स्लीपर श्रेणी-06, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी कोच-03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01, एसएलआर-01 एवं एलएसएलआरडी-01

गाड़ी सं. 03243 पटना जं.- मंगलूरु जं.			गाड़ी सं. 03244 मंगलूरु जं. - पटना जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	23:30(शनि)	पटना जं.	05:30(शुक्र)	-----
08:00	08:05	प्रयागराज छिवकी	22:00	22:05
07:00(मंगल)	-----	मंगलूरु जं.	-----	20:00(मंगल)

नोटः- ट्रेनों की समय सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139 या रेल Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे G20 1026/24(K)

@CPRONCR @northcentralrailway North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in

नीट–2021 में धोखाधड़ी, आरोपी को जमानत नहीं

हाईकोर्ट ने कहा– डाटा से छेड़छाड़ की वजह से चयनित छात्रों के नाम गायब हो गए थे

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित नीट – 2021ध्22 काउंसिलिंग प्रक्रिया में धोखाधड़ी, षडयंत्र के आरोपी को राहत नहीं मिली। कोर्ट ने कहा कि

याची के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। उसे सह आरोपियों को मिली जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। परीक्षा में गड़बड़ी में इसकी मुख्य भूमिका रही है। लिहाजा वह जमानत पाने का हकदार नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने कुलदीप सिंह वर्मा की जमानत अर्जी खारिज करते हुए दिया।

नीट का 2021–22 का मामला : मामला नीट 2021ध्22 में सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग से जुड़ा है। यूपी सरकार ने मेसर्स अपट्रान पावर ट्रॉनिक्स लिमिटेड को काउंसिलिंग का जिम्मा सौंपा था। मेसर्स अपट्रान ने काउंसिलिंग की प्रक्रिया को पूरी करने के लिए दूसरी एजेंसी बी–3 सॉफ्ट सॉल्यूशन कंपनी का सहयोग लिया। काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होने के दौरान सहयोगी एजेंसी बी– 3 सॉफ्ट साल्यूशन के कुलदीप सिंह वर्मा सहित अन्य लोगों ने मिलकर हार्ड डिस्क में छेड़छाड़ कर हार्ड डिस्क की कॉपी कर चयनित छात्रों के नाम बदल दिए और ऐसे नाम को शामिल कर दिया जो परीक्षा में शामिल ही नहीं हुए थे। इसको लेकर चयनित छात्रों की ओर से आपत्ति जताई गई और मामले की शिकायत की गई।

चिकित्सा शिक्षा निदेशालय ने कराई थी जांच : चिकित्सा शिक्षा निदेशालय ने मामले में जांच शुरू की और गड़बड़ी सामने आ गई। आरोपी कुलदीप सिंह वर्मा से इस मामले में जवाब तलब किया लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। इस पर लखनऊ के हजरतगंज थाने में धोखाधड़ी और षड्यंत्र में याची सहित कुल 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कराई गई। याची ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिक पर जमानत की मांग के लिए हाईकोर्ट में कहा कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है।

मजिस्ट्रेट की अनुमति बगैर डीजीपी नहीं करा सकते दोबारा विवेचना

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा– यह अधिकार केवल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को है

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी

केस की पुनर्विवेचना करने से पहले पुलिस को मजिस्ट्रेट की अनुमति लेना जरूरी है। पुलिस दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 173 (8) के अंतर्गत पुनर्विवेचना कर सकती है लेकिन ऐसा करने से पहले उसे मजिस्ट्रेट की अनुमति लेना होगा। पुलिस का कोई भी अधिकारी चाहे वह विवेचना अधिकारी हो या प्रदेश का डीजीपी किसी को भी पुनर्विवेचना का अधिकार नहीं है। ऐसा करने का अधिकार केवल हाईकोर्ट अथवा सुप्रीम कोर्ट को है, किसी पुलिस अधिकारी को नहीं। यह आदेश जस्टिस जे जे मुनीर एवं जस्टिस अरूण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने याची नवनीत की याचिका पर पारित किया है।

अब आइए आपको बताते हैं क्या है ये पूरा मामला

याची के अधिवक्ता आलोक कुमार यादव ने कोर्ट को बताया कि गौतमबुधनगर के थाना – फेज– तीन में एक प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 406, 467, 468, 120बी के तहत दर्ज कराया गया। पुलिस ने विवेचना के बाद इसमें चार्जशीट भी दाखिल कर दी। इस चार्जशीट को आरोपी ऋषि अग्रवाल ने हाईकोर्ट में चुनौती दी और हाईकोर्ट ने चार्जशीट को सही मानते हुए अर्जी खारिज कर दी थी। इसी मामले में डिप्टी कमिश्नर गौतम बद्ध नगर ने पुनर्विवेचना का आदेश पारित कर दिया। इसके बाद इंस्पेक्टर क्राइम सेल गौतमबुद्धनगर राधारमण सिंह ने विवेचना शुरू कर दी और 6 मई 2024 को फाइनल रिपोर्ट भी लगा दिया। अब इंस्पेक्टर याची को थाने बुलाकर साक्ष्य प्रस्तुत करने का दबाव बना रहे हैं और नोटिस भेजा है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा और इंस्पेक्टर क्राइम से हलफनामा मांगा : याचिका दाखिल कर अधिवक्ता आलोक कुमार यादव का तर्क था कि पुलिस को ऐसा करने का क्षेत्राधिकार ही नहीं है। हाईकोर्ट ने याचिका को स्वीकार कर पुनर्विवेचना का आदेश देने वाले डिप्टी कमिश्नर आफ पुलिस सेंट्रल नोएडा और इंस्पेक्टर क्राइम सेल राधा रमन सिंह से उनका व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने को कहा है कि वह बताएं कि किन कारणों से उनके द्वारा इस प्रकार का आदेश पारित किया गया विशेष कर तब जब इस केस में चार्जशीट भी फाइल हो गई है तथा मजिस्ट्रेट ने उस पर संज्ञान भी ले लिया है। कोर्ट ने अन्य विपक्षियों से भी इस मामले में 3 सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रथमदृष्टया डिप्टी कमिश्नर आफ पुलिस सेंट्रल नोएडा गौतम बुध नगर को पुनर्विवेचना का आदेश देने का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का प्रयोग मजिस्ट्रेट की अनुमति के बाद किया जा सकता है।

अगली सुनवाई 9 जुलाई को : कोर्ट ने 3 जून 2024 को जारी नोटिस जो धारा 91ध160 सीआरपीसी के तहत इंस्पेक्टर क्राइम सेल द्वारा जारी किया गया था उस पर रोक लगा दी है तथा इंस्पेक्टर अथवा किसी अन्य पुलिस अधिकारी द्वारा याची को इस केस में तलब करने पर भी रोक लगा दी है। कोर्ट ने संबंधित मजिस्ट्रेट को पूर्व में दाखिल पुलिस रिपोर्ट के आधार पर केस की सुनवाई जारी रखने को कहा है। कोर्ट इस केस की 9 जुलाई 2024 को सुनवाई करेगी।

स्टांप वेंडर लूटकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली, 3.69 लाख रुपये बरामद

कौशांबी, एजेंसी। सैनी कोतवाली पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने बुधवार भोर मुठभेड़ के दौरान तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर स्टांप वेंडर के साथ हुई लाखों की लूट का खुलासा कर लिया है। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने लूट के 3.69 लाख रुपये भी बरामद करने का दावा किया है। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से जख्मी एक बदमाश को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सैनी कोतवाली के रमसहाईपुर निवासी केशव प्रसाद मालवीय मंझनपुर तहसील में स्टांप वेंडर हैं। सोमवार शाम भाई सुरेंद्र मालवीय

के साथ बाइक से घर जाते समय रास्ते में नगिया मई मोड़ के पास सफेद रंग की कार सवार नकाबपोस बदमाशों ने उनका बैग छीन लिया था। बैग में स्टांप बिक्री के 5.57 लाख रुपये के साथ ही कुछ कागजात भी थे। मुकदमा दर्ज कराने के बाद एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने पांच टीमें गठित कर घटना के खुलासे का निर्देश दिया। बुधवार को पत्रकार वार्ता कर एसपी ने बताया कि मंगलवार रात मधवामई के पास एसओजी, सैनी और मंझनपुर कोतवाली की संयुक्त टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एक संदिग्ध कार आई। पुलिस को देख कार सवार लाइट बंद करके भागने का प्रयास करने लगे। इस पर घेराबंदी कर पुलिस ने कार में बैठे मो. समीर निवासी समदा थाना मंझनपुर, गौरव त्रिपाठी निवासी परसरा भरवारी व बादल मौर्य निवासी कृष्ण नगर करारी को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर पुलिस ने बदमाशों के पास से 1.95 लाख रुपया, दो तमंचा व चार करतूस बरामद किया। कोतवाली लाकर बरामद रुपये व तमंचा के बारे में सख्ती से पूछताछ करने पर युवकों ने 10 जून को नगियामई गांव के पास से रमसहाईपुर निवासी स्टांप वेंडर केशव मालवीय के साथ व 30 मई को मंझनपुर कोतवाली के कैनी मोड़ के पास महिला से हुई 49 हजार रुपये लूटने का जुर्म कुबूल किया। बताया कि लूटे गए बाकी रुपये सैनी कोतवाली के भड़ेहरी गांव स्थित जंगल में छिपाकर रखे गए हैं। भड़ेहरी जंगल पहुंचने पर समीर ने गड्ढे में छिपाए हुए बैग को उठाया और पहले से रखे तमंचे से फायरिंग करते हुए भागने लगा। पुलिस टीम ने बचाव में फायर किया तो समीर गिर पड़ा। पैर में गोली लगने से जख्मी समीर को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया गया है। बाकी दो आरोपियों का चालान न्यायालय कर दिया गया। एसपी ने पुलिस टीम को इस सफलता के लिए 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया है।

संक्षिप्त

रैंकिंग में सात्विक-चिराग की जोड़ी को बड़ा नुकसान, नंबर 1 की पोजिशन गंवाकर कर तीसरे नंबर पर फिसले

पिछले हफ्ते इंडोनेशिया ओपन से बाहर होने वाली भारतीय जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, भारत की टॉप पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार को जारी बैडमिंटन वर्ल्ड महासंघ की नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई है। चीन के लियांग वेई केंग और वैंग चौंग की जोड़ी नंबर वन पर काबिज हो गई है। वहीं चीन की जोड़ी के बाद डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप राससुसेन का नंबर आता है जिन्होंने दो स्थान की छलांग लगाई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मई में थाईलैंड ओपन जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की लेकिन पिछले महीने सिंगापुर ओपन में पहले दौर से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन से भी नाम वापस ले लिया है। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन क्रमशः 10वें और 14वें स्थान पर बने हुए हैं। दूसरी तरफ किदांबी श्रीकांत चार स्थान गिरकर 32वें स्थान पर खिसक गए हैं जबकि प्रियांशु राजावत (34वें स्थान पर) और किरण जॉर्ज (एक स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल रैंकिंग में 10वें स्थान पर बनी हुई हैं। महिला युगल में पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाली जोड़ी तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा एक पायदान ऊपर 19वें स्थान पर पहुंच गई। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भी एक पायदान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता यह जोड़ी इंडोनेशिया ओपन से अंतिम–16 में बाहर हो गई थी।

भारत के महावाणिज्य दूत ने देश की क्रिकेट टीम की मेजबानी की

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने देश की क्रिकेट टीम की मेजबानी की जो यहां चल रहे टी 20 विश्व कप लिए आयी हुई है। प्रधान और न्यूयॉर्क में भारतीय प्रवासियों ने कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की अगुआई वाले दल का स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मौजूद थे। न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने ट्वीट किया, ''न्यूयॉर्क में महावाणिज्य दूत प्रधान और भारतीय प्रवासियों ने टीम इंडिया का स्वागत किया। कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम के सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय प्रवासी लोगों से बातचीत की। पूरी टीम, विशेष रूप से अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का धन्यवाद।'' इसमें लिखा गया, ''यह पहली बार है जब टीम इंडिया न्यूयॉर्क में क्रिकेट खेल रही है और पहली बार अमेरिका में विश्व कप खेल रही है। टीम इंडिया को टी20 विश्व कप के साथ घर वापस जाने के लिए चीयर कर रहे हैं।'' रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम अब बुधवार को टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका से खेलेगी।

चार रन गंवाने पर हृदय ने कहा, यह हमारे लिए अच्छा फैसला नहीं था

न्यूयॉर्क । बांग्लादेश के युवा बल्लेबाज तौहीद हृदय ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह रियाद को पगबाधा देने का मैदानी अंपायर का फैसला बुरा निर्णय था जिसके कारण उनकी टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच गंवाना पड़ा। डीआरएस का सहारा लेने पर इस फैसले को बदल दिया गया। दक्षिण अफ्रीका के 114 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने सात विकेट पर 109 रन बनाए। आईसीसी के एक विवादास्पद नियम के कारण बांग्लादेश ने लेग बाय के चार रन गंवाए जब ओटनील बार्टमैन की गेंद पर अंपायर सैम नोगास्की ने महमूदुल्लाह को पगबाधा आउट दिया। गेंद बाउंड्री के पार चली गई लेकिन महमूदुल्लाह के डीआरएस लेने के कारण इसे 'डेड' (जिस पर रन नहीं बन सकते) माना गया। महमूदुल्लाह तो नॉटआउट करार दिए गए लेकिन बांग्लादेश ने चार रन गंवा दिए। आईसीसी के नियमों के अनुसार अगर मैदानी अंपायर बल्लेबाज को पगबाधा आउट देता है तो तीसरे अंपायर द्वारा फैसला पलटने की स्थिति में भी कोई अतिरिक्त रन (लेग बाय या बाय) नहीं मिलेगा। बांग्लादेश को नहीं मिले चार रन के बारे में पूछने पर हृदय ने कहा, ''असल में ईमानदारी से कहूं तो यह एक अच्छा फैसला नहीं था। यह एक कड़ा मुकाबला था। मेरे दृष्टिकोण से, अंपायर ने आउट दिया, लेकिन यह हमारे लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि उन चार रन से मैच का परिदृश्य बदल जाता।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मेरे पास इसके बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है।'' हालांकि 23 वर्षीय हृदय ने इस सवाल को टाल दिया कि वह नियम से सहमत हैं या नहीं। हृदय ने कहा, ''देखिए, नियम आईसीसी ने बनाए हैं जो मेरे हाथ में नहीं है लेकिन उस समय वे चार रन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण थे। मुझे लगता है कि अंपायर ने फैसला सुनाया है और अंपायर फैसला सुना सकते हैं। वे भी इंसान हैं और उनसे गलती हो सकती है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमें दो–तीन और वाइड मिलने चाहिए थे जिन्हें नहीं दिया गया। इसलिए इस तरह के मैच में, जहां कम स्कोर वाले मैच में मुश्किल से रन बनते हैं, वहां एक या दो रन बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।'' इस बल्लेबाज ने कहा, ''इसलिए मुझे लगता है कि वे चार रन या दो वाइड रन करीबी फैसले थे। यहां तक घ्कि मेरा आउट भी अंपायर कॉल था। इसलिए मुझे लगता है कि इन क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश है।

अमेरिका के खिलाफ बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय टीम

भारत के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज अमेरिका के खिलाफ बुधवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप का मुकाबला खेलेंगे। इस दौरान भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन करके आगे के कड़े मैचों के लिए लय हासिल करने की कोशिश करेंगी। अमेरिका की टीम भले ही अनुभवहीन है लेकिन उसने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और भारत उसे किसी भी तरह से कम आंकने की कोशिश नहीं करेगा। भारत के कितने भी अंक हों उसे अगले चरण के लिए ए1 के रूप में वर्गीकृत किया गया है और वह अमेरिका के खिलाफ जीत दर्ज करके सुपर 8 में अपनी जगह सुनिश्चित करना चाहेगा।

भारतीय एकादश में बदलाव की संभावना

जायसवाल कर सकते हैं वापसी, देखें संभावित प्लेइंग 11

न्यूयॉर्क। जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण ने दमदार प्रदर्शन किया है। अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज ने पिछले दोनों मैचों में घातक गेंदबाजी की है। पाकिस्तान के खिलाफ बुमराह ने तीन विकेट चटकाए थे। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।भारतीय टीम बुधवार को अपने तीसरे मुकाबले में मेजबान अमेरिका से भिड़ेगी। टी20 विश्व कप 2024 का 25वां मैच न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। दोनों टीमों को अपने पिछले मुकाबलों में जीत मिली है। इस मैच में जीत हासिल करने वाली टीम ग्रुप ए से सुपर–8 के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन जाएगी। इस मैच में भारतीय टीम की प्लेइंग 11 कैसी होगी इस पर अलग–अलग तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। आइये जानते हैं... दुबे का कट सकता है पत्ता! भारत ने अपने पिछले दोनों मुकाबले एक ही लाइनअप के साथ खेले। हालांकि, बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। माना जा रहा है कि अमेरिका के खिलाफ रोहित शर्मा भारत की प्लेइंग 11 में महत्वपूर्ण बदलाव कर सकते हैं। शिवम दुबे की जगह संजू सैमसन को मौका मिल सकता है। वहीं, यशस्वी जायसवाल भी टीम में जगह हासिल करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, पिछले दो मैचों में दुबे कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। आयरलैंड के खिलाफ वह कोई रन नहीं बना पाए थे जबकि पाकिस्तान के खिलाफ वह सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हो गए। माना जा रहा है कि आउट ऑफ फॉर्म चल रहे इस बल्लेबाज को कप्तान बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं। अब तक दुबे को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला है। उनकी जगह एक विशेषज्ञ बल्लेबाज को शामिल किया जा सकता है। यशस्वी जायसवाल की वापसी संभव

शिवम दुबे की जगह टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में जगह बनाने की दौड़ में यशस्वी जायसवाल का नाम सबसे आगे चल रहा है। वह एक शानदार ओपनर हैं। हालांकि, रोहित शर्मा और विराट कोहली टीम के लिए सलामी बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसे में जायसवाल को तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है। चौथे नंबर पर पंत और पांचवें नंबर पर सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी करते दिख सकते हैं। वहीं, ऑलराउंडर के तौर पर टीम में हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा खेलते दिखेंगे जो गेंद के साथ–साथ बल्ले से भी उपयोगी साबित हो रहे हैं। गेंदबाजी में नहीं होगा बदलाव जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण ने दमदार प्रदर्शन किया है। अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज ने पिछले दोनों मैचों में घातक गेंदबाजी की है। पाकिस्तान के खिलाफ बुमराह ने तीन विकेट चटकाए थे। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, अर्शदीप को एक और हार्दिक पांड्या को दो विकेट मिले थे। अक्षर पटेल ने भी इस मुकाबले में उस्मान के रूप में एक विकेट चटकाया था। हालांकि, सिराज के हाथ कोई सफलता नहीं लगी।

दो गुटों में बंटी पाकिस्तान टीम, पीसीबी में भी छे रही गुटबाजी

किस्तान टीम में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मेजबान अमेरिका और फिर भारत के खिलाफ मिली हार के बाद पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बीच भी पाकिस्तान टीम में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मेजबान अमेरिका और फिर भारत के खिलाफ मिली हार के बाद पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। इस बीच खबर है कि टीम दो गुटों में बंटी हुई है। ये पूरा हंगामा शाहीन अफरीदी को कप्तानी से हटाकर बाबर को फिर से कप्तान बनाने के कारण उपजा है। हालात ये हैं कि बाबर कुछ खिलाड़ियों को पसंद नहीं करते तो कुछ उन्हें इज्जत ही नहीं देते। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं, लेकिन बोर्ड में भी गुटबाजी चल रही है। क्रिकेट पाकिस्तान वेबसाइट के अनुसार सूत्रों ने राष्ट्रीय टीम के भीतर गहरे मतभेद का खुलासा किया है। इसमें कहा गया है कि, खिलाड़ियों के बीच गुटबाजी हो रही है। कप्तानी विवाद ने दोस्तों को प्रतिद्वंद्वी बना दिया है। कई खिलाड़ी केवल जरूरत पड़ने पर ही बातचीत करते हैं, जो टीम की बिखरी हुई स्थिति को दर्शाता है। बोर्ड के अधिकारी कथित तौर पर 15 सदस्यीय टीम के बीच मतभेद की हद से हैरान हैं। सूत्रों का कहना है कि कुछ समय पहले तक बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के बीच ऐसी दोस्त थी कि, कप्तान बदलने के बारे में सोचना भी गुनाह लगता था। हालांकि, जब बाबर की जगह शाहीन अफरीदी को कप्तान बनाया गया और उन्होंने जिम्मेदारी स्वीकार की, तो उनके रिश्ते में दरार आ गई। स्थिति और जटिल इस वजह से हो गई कि टीम के कई स्टार खिलाड़ियों का एजेंट एक ही है, जिसके पूर्व क्रिकेर्स से भी करीबी संबंध हैं। समर्थन के इस नेटवर्क के कारण इन स्टार खिलाड़ियों की आलोचना करने वाले किसी भी व्यक्ति की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग होने लगती है। वहीं अधिकारियों का मानना है कि इससे बाबर की छवि क्रिकेट से परे हो गई है।

अजहर महमूद ने कप्तान बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के बीच मतभेद से किया इनकार

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सहायक कोच अजहर महमूद ने कप्तान बाबर आजम और मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच मतभेद से इनकार करते हुए कहा कि हाल में पूर्व कप्तान वसीम अकरम का दोनों के बीच बातचीत नहीं होने की बात कहना गलत है। महमूद ने उन लोगों पर भी निशाना साधा जो मानते हैं कि खिलाड़ियों की क्रिकेट के अलावा बाहर कोई जिंदगी नहीं होनी चाहिए और उन्हें भारत के खिलाफ मिली हार के बारे में सोचते हुए अपने होटल

के कमरों तक ही सीमित रहना चाहिए। अटकलें लगायी जा रही हैं कि पाकिस्तान टीम में दो गुट हैं जिसमें एक की अगुआई कप्तान बाबर करते हैं जबकि दूसरा गुट का नेतृत्व शाहीन करते हैं। पाकिस्तानी टीम भारत के खिलाफ मैच में 120 रन के लक्ष्य का पीछा करने में विफल रही थी और छह रन से हार गयी थी। महमूद ने इस हार का जिक्र करते हुए कहा, ''वसीम ने ऐसा कहा होगा, लेकिन मुझे नहीं पता। मैंने ऐसा कुछ नहीं देखा। शाहीन और बाबर निश्चित रूप से एक दूसरे से बात कर रहे हैं, वे अच्छे दोस्त हैं। वे दोनों पाकिस्तान टीम का हिस्सा हैं। हम किसी की भी वजह से नहीं हारे, बल्कि यह हमारी गलती थी।ष जब उनसे पूछा गया कि खिलाड़ी मीडिया से बात करने के लिए प्रेस कांफ्रेंस में क्यों नहीं आ रहे तो महमूद ने कहा कि अगर हार के लिए जवाबदेह होने की बात है तो सहयोगी स्टाफ भी समान जिम्मेदारी लेता है। उन्होंने कहा, ''हम किसी भी खिलाड़ी को नहीं छुपा रहे हैं। हर कोई वहां है। मैंने पहले कहा था कि हम एक टीम हैं। जाहिर है, हम यहां बैठे हैं और यह हमारी जिम्मेदारी है। हम प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। इसलिए मैं यहां बैठा हूं।'' उन्होंने कहा, ''कल, गैरी कर्स्टन यहां थे। इसलिये निश्चित रूप से ऐसा नहीं है कि हम किसी खिलाड़ी को छुपा रहे हैं। वे हमारी टीम का हिस्सा हैं।'' महमूद के साथ मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज और कप्तान बाबर भारत से मिली हार के बाद यहां एक रेस्तरां में रात्रिभोज के लिए मौजूद थे। इससे खेल प्रशंसकों ने काफी नाराजगी व्यक्त की। पाकिस्तान के पत्रकार ने जब यह सवाल पूछा तो महमूद ने कहा, ''आप वहां थे। मैं आपको बता रहा हूं, आप वहां थे। मैंने आपको भी वहां देखा था।'' उन्होंने कहा, ''बात यह है कि हम बहुत भावुक हैं। मेरा मतलब है कि ऐसा नहीं होता कि अगर आप एक मैच हार गये तो आपकी जिंदगी खत्म हो जायेगी। आप ऐसा कैसे करोगे? अगर आप एक मैच हार गये और फिर आप कमरे में आकर निराश रहो तो आपको अपने दिमाग को शांत करने के लिए थोड़ा समय चाहिए।'' महमूद ने कहा, '' अब निश्चित रूप से हमारे खिलाड़ी ऐसे नहीं हैं। मैं भी इंग्लैंड की टीमों के साथ रहा हूं। अगर वे ऐसी जगह जाते हैं तो आप वहां सिर्फ खाने के लिए जा सकते हैं।

बाजार में छाई सुस्ती, सपाट बंद हुआ कारोबार, सेंसेक्स 76456 के स्तर पर

मुंबई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी आज, 11 जून को शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव रहा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 33 अंक टूटकर 76,456 के स्तर वहीं निफ्टी में 4.95 अंकों की बढ़त रही, ये 23,264 के स्तर पर बंद हुआ। एनएसई के प्रोविजनल डेटा के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 10 जून

को 2,572.38 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। यह लगातार दूसरा कारोबारी दिन था जब विदेशी निवेशकों ने खरीदारी की। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,764.46 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।अमेरिकी बाजार में सोमवार को तेजी रही। डॉओ जोन्स एवरेज 69.05 अंक या 0.18: की तेजी के साथ 38,868 पर, एसएंडपी 500 13.8 अंक या 0.26: की उछाल के सात 5,360 पर और नैस्डैक कंपोजिट 59.40 अंक या 0.35: चढ़कर 17,192 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी, 10 जून को सेंसेक्स 386 अंक चढ़कर 77,079 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया था। निफ्टी में भी 121 अंकों की तेजी रही, यह भी 23,411 के रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा। हालांकि, दिनभर के कारोबार के बाद बाजार गिरावट में बंद हुआ। सेंसेक्स 203 अंक की गिरावट के साथ 76,490 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 30 अंक की गिरावट के साथ 23,259 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी रही। आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिली।

टाटा स्टील अपने ब्रिटिश संयंत्र में निवेश की योजना को लेकर आशंकित

नयी दिल्ली। इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने ब्रिटेन के पोर्ट टैलबोट में स्थित अपने संयंत्र में 1.25 अरब पाउंड का प्रस्तावित निवेश ब्रिटिश सरकार और विपक्ष के बीच नीतिगत मतभेदों की

वजह से खटाई में पड़ने के बारे में आई खबरों पर चिंता जताई है। पिछले साल सितंबर में टाटा स्टील और ब्रिटिश सरकार के बीच पोर्ट टैलबोट इस्पात संयंत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए 1.25 अरब पाउंड की संयुक्त निवेश योजना पर सहमति जताई गई थी। इस निवेश में से 50 करोड़ पाउंड की राशि ब्रिटिश सरकार को देनी है। कंपनी ने बयान में कहा, ''हम ब्रिटिश मीडिया में आई उन खबरों को देखकर आशंकित हैं, जिनमें कहा गया है कि ब्रिटेन के इस्पात उद्योग में कई दशकों का सबसे बड़ा 1.25 अरब पाउंड का निवेश मौजूदा चुनावी प्रक्रिया के दौरान कंजर्वेटिव पार्टी और लेबर पार्टी के बीच उभरे नीतिगत मतभेदों के कारण खतरे में पड़ सकता है। 00टाटा स्टील ने कहा कि वह आने वाले महीनों में पोर्ट टैलबोट संयंत्र म भारी–भरकम परिसंपत्तियों को बंद करने और पुनर्गठन कार्यक्रम की घोषणा पर कायम रहेगी। टाटा समूह की कंपनी टाटा स्टील ब्रिटेन के पोर्ट टैलबोट में 30 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाली सबसे बड़ी ब्रिटिश इस्पात इकाई का संचालन करती है और करीब 8,000 लोगों को रोजगार देती है।

सम्पादकीय.......

अब इंडिया की राह क्या हो?

रविवार को नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद सम्हाल लिया है और उनकी सरकार ने एक तरह से कामकाज शुरू भी कर दिया है। 2014 और 2019 के मुकाबले एक बड़ी चुनौती को पार करने के बाद मोदी अपनी सरकार फिर से बनाने में कामयाब तो हो गये हैं लेकिन उनके सामने खड़े कांग्रेस एवं संयुक्त प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया ने उससे कहीं बड़ी बाधाओं को पार करते हुए खुद को ऐसी मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है जहां भाजपा का मुकाबला संसद के भीतर व बाहर दोनों जगहों पर दमदारी से किया जा सकता है। मोदी के तीसरी बार सरकार बनने के पहले से ही, सच कहा जाये तो 4 जून की रात से ही साफ हो गया था कि वह अपने पैरों पर नहीं खड़ी है। इसलिए अनुमान जताये जा रहे हैं कि यह सरकार बहुत लम्बा चलने से रही। विवादास्पद मुद्दों को लेकर जब भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी दलों– खासकर तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) एवं जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) से टकराव बढ़ेगा तो इस सरकार के गिरने के अनुमान जाहिर किये जा रहे हैं। तो क्या इंडिया को इन अंतर्विरोधों के बढ़ने और भाजपा प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के अपने आप गिरने का इंतजार करना चाहिये? इसका जवाब ढूंढ़ने के लिये कई आयामों पर गौर करना होगा। पहली बात, यह तो सच है कि परस्पर टकरावों के कारण इस सरकार के गिरने का अंदेशा कई राजनीतिक विश्लेषक व्यक्त कर रहे हैं। कई तो इसकी समयावधि तक निर्धारित करने से नहीं चूक रहे हैं। यह अवधि कुछ दिनों से लेकर कुछ महीनों तक की है। इस तरह के कयासों के कई आधार हैं। इनमें प्रमुख है विभागों का वितरण। अनुमान जतलाये जा रहे हैं कि गठबंधन के जिन सहयोगी दलों को प्रभावशाली मंत्रालय, जिन्हें श्मलाईदार विभागश भी कहा जाता है, न मिलें तो खींचतान होगी। माना जा रहा था कि सबसे रौबदार विभाग यानी गृह, रेल, विदेश और रक्षा मंत्रालयों के लिये भी कहा–सुनी सम्भावित है। इसे सभी सहयोगी दल, खासकर बड़े घटक अपने पास रखना चाहेंगे। इनमें टीडीपी एवं जेडीयू शामिल हैं जिनके क्रमशरू 16 व 12 सदस्य हैं और जिन पर सरकार काफी–कुछ निर्भर करती है। किसी भी एक के हाथ खींचने की देर है और मोदी सरकार का पतन हो जायेगा। दूसरा अहम मुद्दा होगा लोकसभा के अध्यक्ष पद का। आने वाली राजनीतिक परिस्थितियों में इस पद का बहुत महत्व होगा। खासकर, टकराव की स्थिति में आसंदी पर बैठे व्यक्ति का आदेश व उसकी प्रतिबद्धता मोदी सरकार के लिये निर्णायक होगी। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय टीडीपी ने ही अपने सांसद जीएमसी बालयोगी को इस पद पर बिठाने में सफलता पायी थी। बड़ी बात नहीं कि इस बार भी वह इसकी कोशिश करे। देखना यह होगा कि क्या इस बार जेडीयू यह पद पाना चाहेगी। वैसे अनुमान लगाये जा रहे थे कि दोनों दल ज्यादा मंत्री पद चाहेंगे पर इनके एक–एक सदस्य को ही केबिनेट मंत्री बनाया गया है। फिलहाल तो कोई विवाद होता नहीं दिख रहा है। राकांपा जरूर नाराज है जिसे केवल एक राज्य मंत्री का पद दिया जा रहा था। इसलिये उसका कोई प्रतिनिधि रविवार को हुए शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुआ। इंडिया के लिये असली संदेश तो यही है कि वह एनडीए में विवादों के पनपने और उनके इस कदर बड़ा होने का इंतजार न करे जिससे सरकार गिरे। अगर यह होना है तो वह अपने समय व कारणों से होता रहेगा लेकिन विपक्ष को अपने तईं प्रयासों को जारी रखना होगा। क्या हैं वे प्रयास? उसे वही करना है जो वह पिछले दो वर्षों से करती आई है। 2014 व 2019 के मुकाबले कांग्रेस को बड़ा जनादेश मिला है और दस वर्षों में उसके सदस्यों का आंकड़ा दहाई को छूने जा रहा है। राहुल गांधी द्वारा वायनाड या रायबरेली की एक सीट छोड़ने पर वहां से जो भी कांग्रेस प्रत्याशी लड़े, जीतेगा। इस तरह कांग्रेस 100 तक पहुंच जायेगी। दो राष्ट्रव्यापी यात्राओं के बाद राहुल का कद तो बढ़ा ही है, एक सर्वे में उन्हें पीएम के रूप में देखने वाले मोदी के मुकाबले 4 प्रतिशत ज्यादा पाये गये– यूपी में पीएम की पहली पसंद के तौर पर 36 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी और 32 फीसदी लोगों ने नरेंद्र मोदी को चुना। यह उनकी लोकप्रियता के साथ स्वीकार्यता को भी दर्शाता है। एक उत्तर व दूसरी दक्षिण भारत की सीट जीतकर राहुल विपक्ष के नेता के सहज ही दावेदार बन जाते हैं। उनकी इसी बढ़ी ताकत से कांग्रेस पुनर्जीवित हुई है और अन्य दलों ने उसका नेतृत्व स्वीकार किया है। ऐसे में कांग्रेस लोकसभा में वैसे ही मोदी सरकार के कारनामों का पर्दाफाश करती रहे, जैसी वह राहुल के नेतृत्व में 17वीं लोकसभा की आखिरी बैठक तक करती रही थी। मोदी द्वारा अपने मित्र कारोबारियों– गौतम अदानी व मुकेश अंबानी की होती सहायता, इलेक्टोरल बॉन्ड्स, ईवीएम के जरिये होने वाली हेराफेरी, कोरोना वैक्सीन, अग्निवीर योजना आदि ऐसे अनेक मुद्दे हैं जो कांग्रेस व इंडिया संसद के भीतर व बाहर उठाती रही है।

सवाल शुचिता का

एजेन्सी

"गर्व है कि हम दुनिया में रिकॉर्ड संख्या में मतदाताओं वाले सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा हैं। लेकिन इस बीच विचलित करने वाली खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं।"

झुलसाती गर्मी के बीच लंबे चले चुनावी अभियान में देश के मतदाताओं ने अपने लोकतांत्रिक दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारी से किया। देश में 18वीं लोकसभा का स्वरूप शक्ल ले चुका है। गर्व है कि हम दुनिया में रिकॉर्ड संख्या में मतदाताओं वाले सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा हैं। लेकिन इस बीच विचलित करने वाली खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं। यह स्थिति हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम मूल्यों की शुचिता का पारदर्शी समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? इसी दिशा में चिंतन से सिर्फ चिंता ही बढ़ती है। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी ए.डी.आर. की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2109 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं 18वीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। फिलहाल देश के निचले सदन में आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले सांसदों की यह संख्या पिछले कई दशकों में सर्वाधिक है। वर्ष 2014 में यह संख्या 34 फीसदी, 2009 में 30 फीसदी और 2004 में 23 फीसदी थी। जनप्रतिनिधियों में दागियों की संख्या में उत्तरोतर वृद्धि होना हमारे लोकतंत्र की विसंगति को ही दर्शाता है। जाहिरा तौर पर इनका परोक्ष–अपरोक्ष प्रभाव लोकतंत्र की गुणवत्ता पर पड़ेगा। विडंबना यह है कि इस बार दागी 251 प्रतिनिधियों में से 170 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। गंभीर आपराधिक मामलों में लिप्त सांसदों की संख्या में 2009 की लोकसभा के मुकाबले इस बार 124 फीसदी वृद्धि देखी गई है। निश्चय ही यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। बहरहाल, यह सवाल हर एक जागरूक नागरिक को विचलित कर रहा है कि कैसे संसद में दागियों के पहुंचने का द्वार बंद हो। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल के बाद ही वर्ष 2020 में निर्देश दिए गए थे कि सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करें। जाहिरा तौर पर इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। ऐसा भी नहीं है कि दल विशेष ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हों। हर छोटे–बड़े राजनीतिक दल में दागियों की पर्याप्त संख्या रही है। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। आखिर कैसे देश के युवा व बच्चे अपने लोकतंत्र के प्रतिनिधियों के आचरण का अनुकरण करेंगे? सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून–व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा।

मजबूरी का नाम एनडीए

राजेंद्र शर्मा

बेशक, 9 जून की शाम को राष्ट्र्रपति भवन के कोर्टयार्ड में पूरे बहत्तर सदस्यों के जंबो मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के साथ, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की तीसरी पारी शुरू हो गयी है। लेकिन, यह तीसरी पारी कितनी असामान्य होने जा रही है, इसका अंदाजा एक इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि इस चुनाव में कौन जीता है और कौन हारा है, इसके विवाद पर सरकार के शपथग्रहण के बावजूद, संतोषजनक तरीके से विराम नहीं लग पाया है। इसमें शक नहीं कि 4 जून को देर शाम 18वीं लोकसभा के चुनाव की मतगणना लगभग पूरी होने तक, जब इंडिया गठबंधन की गिनती 240 पर रुक गयी और दूसरी ओर भाजपा और उसके 2024 के चुनाव के सहयोगियों की गिनती बहुमत के 272 के आंकड़े को पार कर 290 पर पहुंच गयी, तभी इतना तो सभी यथार्थवादी प्रेक्षकों के सामने साफ हो गया था कि नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ जरूर लेंगे। यह इसके बावजूद था कि कुल मिलाकर इस चुनाव में जिस तरह का जनादेश आया है, उसे देखते हुए खुद संघ–भाजपा के समर्थकों के भी एक हिस्से को यह मानने में हिचक थी कि इस चुनाव का फैसला, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के जारी रहने के पक्ष में है। 2024 के चुनाव से निकली लोकसभा सदस्यों की गिनती बेशक, भाजपा और उसके सहयोगियों के मिलकर सरकार बनाने का रास्ता बनाती थी, लेकिन इस चुनाव का जनादेश कुछ और ही कह रहा था। यह किसी से छुपा हुआ नहीं था कि यह चुनाव, भारत का अब तक का सबसे नाबराबरी का चुनाव था। यह एक ऐसा चुनाव था जिसमें बराबरी के मुकाबले की यह न्यूनतम से न्यूनतम शर्त भी पूरी नहीं हो रही थी कि चुनाव आयोग, जिस पर स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने का दायित्व था, कम से कम निष्पक्ष दिखाई देने की कोशिश करेगा। इसका नतीजा यह हुआ कि एक ओर सत्ताधारी पार्टी, चुनावी मुकाबले में विपक्ष को पंगु करने के लिए, शासन के सभी दमनकारी साधनों का खुलेआम इस्तेमाल करते हुए, जिसमें विपक्षी मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने से लेकर विपक्षी पार्टियों के खाते जाम करना तक शामिल था, निष्पक्षता की धज्जियां उड़ा रही थी। तो दूसरी ओर सत्ताधारी पार्टी को अपने शीर्ष नेताओं से लेकर नीचे तक, विपक्ष के खिलाफ सरासर झूठे और सांप्रदायिक प्रचार को हथियार बनाने के जरिए, जनता के जानकारी पर आधारित चुनाव करने के अधिकार की जड़ें ही काटने की खुली छूट मिली हुई थी। इसके ऊपर से सत्ताधारी पार्टी को मुख्यधारा के मीडिया को न सिर्फ पैसे तथा मीडिया धन्नासेठों के समर्थन के बल पर अपने लिए छेक लेने का बल्कि तरह–तरह के सर्वेक्षणों के जरिए उसे मारक हथियार बनाने का और कुल मिलाकर बेशुमार पैसा बहाने तथा विपक्ष के संसाधनों के सारे स्रोत सुखाने का भी, मौका मिला हुआ था। इसके बावजूद, इस चुनाव में जनता ने जो फैसला सुनाया था, साफ तौर पर भाजपा के खिलाफ था। बेशक, चार सौ पार के जो दावे सत्तापक्ष और उसके मीडिया में छाए प्रचारकों द्वारा विधिवत चुनाव प्रचार शुरू होने से महीनों पहले से शुरू कर, एक्जिट पोलों तक के जरिए किए जा रहे थे, उन सबके सामने, सत्ताधारी भाजपा का 240 के आंकड़े पर और सहयोगियों को भी जोड़कर, 292 के आंकड़े पर अटक जाना भी, किसी हार से कम नहीं था। लेकिन, बात सिर्फ इतनी ही नहीं थी। इससे बड़ी बात यह थी कि जहां अकेले भाजपा के 370 पार और संगियों के साथ मिलकर चार सौ पार जाने का दम भरा जा रहा था, जब नतीजे आए भाजपा खुद 240 सीटों पर सिमट गयी और सहयोगियों के साथ मिलकर मुश्किल से बहुमत का आंकड़ा पार कर पायी। इतना ही नहीं, 2019 के चुनाव में भाजपा को जो 303 सीटें हासिल हुई थीं, उनमें पूरे 20 फीसद यानी 63 सीटों की कमी इस चुनाव में जनता ने कर दी और उसके गठजोड़ की सीटों में से भी करीब इतनी ही कमी। साफ है कि जनता ने पिछले चुनाव के मुकाबले, सत्ताधारी दल और उसके गठजोड़ को ठुकराया ही है, उसे अपनी करनियों और अकरनियों के लिए राजनीतिक सजा ही दी है। इसी का एक और साक्ष्य, पिछले चुनाव के मुकाबले भाजपा और उसके गठजोड़ के मत प्रतिशत में भी बहुत ज्यादा न सही, फिर भी कुछ न कुछ गिरावट का ही होना है। खुद भाजपा के मत फीसद में यह गिरावट इसलिए और भी उल्लेखनीय हो जाती है कि 2024 में उसने तमिलनाडु, पंजाब जैसे राज्यों में सभी सीटों पर चुनाव लड़ते हुए, पिछले चुनाव के मुकाबले काफी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़कर भी, पिछली बार के मुकाबले करीब 1 फीसद कम वोट हासिल किया है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 2019 में भाजपा को 37.36 फीसद वोट मिला था, जो इस चुनाव में घटकर 36.56 फीसद ही रह गया है। इस चुनाव में सहयोगियों के साथ मिलकर भी सत्तापक्ष का मत फीसद 42.5 फीसद से ज्यादा नहीं बैठता है। बेशक, यह कहा जा सकता है कि लोकसभा सदस्यों की गिनती के हिसाब जनादेश भाजपा के खिलाफ होने के बावजूद, गठबंधन के हिस्से के तौर पर तो भाजपा जनादेश का दावा कर ही सकती है। वास्तव में खुद नरेंद्र मोदी ने भी गठबंधन की आड़ लेकर ही, जनादेश का दावा करने की कोशिश की है। एनडीए संसदीय दल की बैठक में अपने भाषण में नरेंद्र मोदी ने गठबंधन का ही सहारा लेकर यह दावा किया था कि श्न हम हारे थे, न हम हारे हैं!श इसके लिए हाथ की सफाई का सहारा लेते हुए, मोदी ने यह दावा किया था कि शकिसी से पूछो कि पहले क्या था, एनडीए था, अब क्या है, एनडीए हैश , वही तब भी जीता था, वही अब भी जीता है, आदि। इसमें हाथ की सफाई अन्य बातों के अलावा इसमें थी कि 2024 के चुनाव के बाद, चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम की जिन 16 और जनता दल यूनाइटेड की 12 सीटों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बहुमत का दावा किया जा रहा है।

मेष :– जीविका क्षेत्र में नए आयाम आपको उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हलकर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

वृष :– भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीतिज्ञों के लिए राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाएं।

मिथुन :– महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों के प्रति मन केन्द्रित होगा। अत्यधिक कायरे की ब्यस्तता से मन परेशान होगा। पारम्परिक कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :– क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार विखेरें। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिन्ता उत्पन्न करेगी। किसी नए कार्य में मन केन्द्रित होगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी बिचारों से सिंचित करें। महत्वपूर्ण क्षेत्र में संबंधों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

कन्या :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक हो सकता है। लेकिन प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी। परिवार में कोई सुखद माहौल बनेगा।

तुला :– हर वक्त अपने को लाचार बनाए रखना अच्छी बात नहीं, समय का सदोपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा दें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित।

वृश्चिक :– शासन–सत्ता के सहयोग से कार्य क्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता व वर्चस्व बढ़ेगा। प्रयत्न की सार्थकता उच्छृंखलता व व्यग्रता क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा।

धनु :– कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत के चकाचौंध आप प्रभावित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता के आसार बढ़ेगे। अच्छे ब्यवहारकुशलता से सामाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी।

मकर :– कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रह वश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

कुंभ :– """खाली मन शैतान का घर" अपने दिनर्चया को सुधारें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा।

नेतन्याहू के राजनीतिक भविष्य के लिए निर्णायक समय

जेम्स एम डोर्सी

"एक और संभावना यह है कि नेतन्याहू पासा पलट सकते हैं और गैंट्ज और ईसेनकोट के इस्तीफा देने पर तुरंत चुनाव की घोषणा कर सकते हैं। अंत में, गैंट्ज और ईसेनकोट इस्तीफा दे सकते हैं, जिससे नेतन्याहू और भी ज़्यादा जिम्मेदार बन सकते हैं।"

आने वाले एक या दो सप्ताह प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के राजनीतिक भाग्य का निर्धारण कर सकते हैं और इजरायल के गाजा युद्ध के लिए बाइडेन प्रशासन के समर्थन को नया आकार दे सकते हैं। यानी, अगर नेतन्याहू युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज की इस मांग को पूरा करने में विफल रहते हैं कि प्रधानमंत्री युद्ध के बाद के प्रशासन के लिए एक योजना तैयार करें, तो उनके साथ युद्ध कैबिनेट के सदस्य और इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफगैबीईसेनकोट भी शामिल हो सकते हैं। गैंट्ज के पास अपनी चेतावनी पर अड़े रहने के अच्छे कारण हैं। हाल ही में हुए एक इजरायली जनमत सर्वेक्षण से पता चलता है कि भले ही वह चुनाव जीत जायेंगे, लेकिन सरकार में उनकी मौजूदगी उन्हें नुकसान पहुंचा रही है। सर्वेक्षण में गैंट्ज को 38प्रतिशत वोट मिले, जो जनवरी में उनके 46प्रतिशत के उच्चतम स्तर से कम है, जबकि नेतन्याहू के वोटों की संख्या छह महीने पहले के 24प्रतिशत से बढ़कर 30प्रतिशत हो गयी। हालांकि नेतन्याहू फिर भी चुनाव हार जायेंगे, लेकिन सर्वेक्षण से पता चलता है कि गैंट्ज अपनी लोकप्रियता को और जोखिम में डालने का जोखिम नहीं उठा सकते। गैंट्ज क्या निर्णय लेते हैं, इस पर निर्भर करते हुए चार परिदृश्यों में से एक के सामने आने की संभावना है और संभवतरू यह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के हमास और इजरायल दोनों पर दबाव बनाने के लिए कतर और मिस्र समर्थित युद्धविराम योजना की आधिकारिक घोषणा करने के निर्णय का हिस्सा था। नेतन्याहू 24 जुलाई को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने तक युद्धविराम टाल सकते हैं। वह अपने सबसे उग्रवादी अति–राष्ट्रवादी और अति–रूढ़िवादी गठबंधन सहयोगियों को छोड़ सकते हैं, जिनका प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटमारबेनग्वीर और वित्त मंत्री बेजेलस्मोट्रिच करते हैं, जो युद्धविराम समझौते का विरोध करते हैं, जिससे हमास द्वारा बंधक बनाये गये लोगों की रिहाई होगी। इसके बजाय, नेतन्याहू गैंट्ज, विपक्षी नेता यायरलैपिड और दो धार्मिक गठबंधन सहयोगियों, शास और यूनाइटेड टोरा यहूदी धर्मावलम्बी, जो युद्ध विराम और बंधक समझौते के पक्षधर हैं, के साथ मिलकर सरकार बना सकते हैं। एक और संभावना यह है कि नेतन्याहू पासा पलट सकते हैं और गैंट्ज और ईसेनकोट के इस्तीफा देने पर तुरंत चुनाव की घोषणा कर सकते हैं। अंत में, गैंट्ज और ईसेनकोट इस्तीफा दे सकते हैं, जिससे नेतन्याहू और भी ज़्यादा जिम्मेदार बन सकते हैं। बेनग्वीर और स्मोट्रिच ने युद्ध विराम वार्ता में नेतन्याहू के स्थान को सीमित करने की कोशिश की, क्योंकि उनके हजारों समर्थक 1967 के मध्य पूर्व युद्ध में पूर्वी यरुशलम पर इजराइल की विजय का जश्न मनाने के लिए यरुशलम के मुस्लिम क्वार्टर से यरुशलम ध्वज दिवस पर मार्च कर रहे थे। मार्च में भाग लेते हुए, बेनग्वीर ने कहा कि इसने हमास को संदेश दिया कि यरूशलम हमारा है। पुराने शहर के एक गेट का जिक्र करते हुए, जिसका मुस्लिम चर्टर हिस्सा है, और मंदिर पर्वत जो इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल अलअक्सा मस्जिद की मेजबानी करता है, बेनग्वीर ने जोर देकर कहा कि दमिश्कगेट हमारा है। मंदिर पर्वत हमारा है, और, ईश्वर की इच्छा से, पूरी जीत हमारी है उग्रवादी बेनग्वीर अनुयायियों ने फिलिस्तीनी निवासियों और पत्रकारों पर हमला किया, अरबों की मौत, तुम्हारा गांव जल जाये, और शुआफत आग की लपटों में है के नारे लगाये, जो पूर्वी यरुशलम के फिलिस्तीनी इलाके का संदर्भ था। गैंट्ज–ईसेनकोटवॉक–आउट जो नेतन्याहू को बेनग्वीर और स्मोट्रिच पर और भी अधिक निर्भर बना देगा, रक्षा मंत्री गैलेंट पर दबाव बढ़ायेगा, ताकि वे भी ऐसा ही करें और इजराइल के लिए बाइडेन के समर्थन को जटिल बना दें। मुझे पता है कि इजराइल में ऐसे लोग हैं जो इस योजना से सहमत नहीं होंगे और युद्ध को अनिश्चित काल तक जारी रखने का आह्वान करेंगे कुछ तो सरकारी गठबंधन में भी हैं। और उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया हैरू वे गाजा पर कब्जा करना चाहते हैं, वे वर्षों तक लड़ते रहना चाहते हैं, और बंधक उनके लिए प्राथमिकता नहीं हैं... मैंने इजरायल के नेतृत्व से इस सौदे के पीछे खड़े होने का आग्रह किया है, चाहे जो भी दबाव आये, बाइडेन ने अपने प्रस्तावित युद्धविराम सौदे को आगे बढ़ाते हुए कहा, जो नेतन्याहू द्वारा समर्थित एक मसौदे पर आधारित प्रतीत होता है। वास्तव में, बाइडेन नेतन्याहू को चेतावनी दे रहे थे कि वे ऐसी स्थिति की अनुमति न दें जिसमें वे बेनग्वीर और स्मोट्रिच पर अपनी निर्भरता कम करने के बजाय उसे बढ़ायें। साथ ही, इजरायली विश्लेषकों का सुझाव है कि नेतन्याहू के दिमाग में, प्रधानमंत्री और गैलेंट के युद्ध अपराध के आरोपों पर गिरफ्तारी के लिए संभावित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) वारंट गाजा युद्ध की निरंतरता को एक परिसंपत्ति के बजाय एक दायित्व में बदल रहा है जो सुनिश्चित करेगा कि वह पद पर बने रहें।

संयुक्त राज्य अमेरिका और 16 अन्य देश जिनके नागरिकों को 7अक्टूबर को हमास द्वारा बंधक बनाया गया था, ने नेतन्याहू पर दबाव बढ़ा दिया और एक संयुक्त बयान जारी किया जिसमें इजरायल और हमास से युद्धविराम समझौता करने का आह्वान किया गया। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, जिसमें नेतन्याहू संभावित रूप से एक चौराहे पर हैं, ने बाइडेन की युद्धविराम योजना का समर्थन करने वाले प्रस्ताव पर चर्चा करने में देरी की है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने शुरू में योजना के समर्थन में एक मसौदा प्रस्ताव प्रसारित किया था, जिसे वीटो किये जाने की संभावना थी क्योंकि इसने स्वीकृति का भार हमास पर डाल दिया था। ऐसा करना अधिक कठिन होगा क्योंकि इजरायल सरकार में अधिकांश श्वयस्कश नहीं हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका इजरायल के प्रति अपने अड़ियल समर्थन के कारण कम असुरक्षित है, जैसा कि कई लोग मानते हैं।

एक जिम्मेदार मां की भूमिका में दिखेंगी नेहा जोशी

कहा– जीवन में अपने लक्ष्य से कभी डगमगाई नहीं

नया धारावाहिक 'दूसरी माँ' उत्तर प्रदेश में अपने पति, दो बेटियों और ससुराल वालों के साथ रह रही एक महिला की कहानी है। उसकी खुशहाल और सुकून भरी जिंदगी में तब तूफान आ जाती है जब वह अनजाने में अपने पति के नाजायज बेटे को गोद ले लेती हैं। नया धारावाहिक 'दूसरी माँ' उत्तर प्रदेश में अपने पति, दो बेटियों और ससुराल वालों के साथ रह रही एक महिला की कहानी है। उसकी खुशहाल और सुकून भरी जिंदगी में तब तूफान आ जाती है जब वह अनजाने में अपने पति के नाजायज बेटे को गोद ले लेती हैं। इस कहानी को 20 सितम्बर से 'एंड टीवी' पर दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। शो में यशोदा मां का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस नेहा जोशी ने नवभारत संग शो से जुड़े कुछ दिलचस्प बातें शेयर की। धोखा और आत्मसम्मान के बीच की लड़ाई में किस राह को चुनेगी यशोदा ? यह कहानी यशोदा की है जिसके लिए उसका घरदृ परिवार ही सब कुछ हैं। जब कृष्णा उसकी जिन्दगी में आता है तब उसे पता नहीं होता यह कौन है और कहां से आया है लेकिन जब उसे पता चलता है कि जिस बच्चे से वह इतना प्यार करती है वह उसी के पति की नाजायज औलाद है तो यशोदा टूटकर बिखर जाती हैं।

वह जब भी उस बच्चे को देखती है तो उसे उसका टूटा और बिखरा हुआ परिवार नजर आता है। अब यशोदा बड़ी दुविधा हैं आखिर वह बच्चे को 'अपनाए तो अपनाए कैसे? और ठुकराए तो ठुकराए कैसे! सौतेली मां के किरदार के लिए आपको चुना गया तब क्या प्रतिक्रिया थी ? मैं इससे पहले भी आयुध कि मां का किरदार निभा चुकी हूं। जब पता चला कि सीरियल 'दूसरी मां' में मैं और आयुध फिर से एक साथ काम करेंगे तो मुझे बहुत खुशी हुई। वह बहुत ही ज्यादा टैलेंटेड बच्चा। इतने छोटे होने के बाद भी वह हमें बहुत सी बातें सिखा जाता है। जब पता चला कि इम्तिआज पंजाबी भी इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़े हैं तो मेरे अंदर शो को लेकर और विश्वास जग गया। एक बच्चे के साथ पूरा दिन शूट करने में किस तरह का चौलेंज महसूस होती है ? आयुध ा के साथ मेरा बहुत ही खास रिश्ता है। सेट पर कही न कही मैं ही उसकी दूसरी मां हूं। वह मेरे साथ इतना कम्फर्टेबल मसहूस करता है कि उसकी मां उसे मेरे भरोसे सेट पर छोड़कर बाहर चली जाती है। काम करते वक्त भी हम दोनों की टयूनिंग काफी अच्छी है। हां हम दोनों के बीच जब कभी मुश्किल भावनाए वाला सीन आता है तब उस बच्चे के साथ शूट करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है लेकिन मुझे लगता है कसौटी की घड़ी वही होती है। इंडस्ट्री में कभी कास्टिंगदृकाउच जैसी चीजों का सामना करना पड़ा? मैं और मेरा परिवार हम सब लोग कला के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। मेरे परिवार काविश्वास और भरोसा हमेशा मेरे साथ रहा है। हर जगह कुछ अच्छे लोग होते है तो कुछ बुरे भी होते है। आपको अगर सामने दिखाई दे रहा हो कि आखिर जाना कहां है तो आप अपनी मंजिल से भटकते नहीं हैं। कुछ ऐसे मौके भी आए जहां पर सोचना और रुकना पड़ा लेकिन मैं कभी डगमगाई नहीं। आकाश जायसवालके बारे में आकाश जायसवाल, नवभारत के साथ बतौर वरिष्ठ पत्रकार कार्यरत हैं. वे पिछले 8 वर्ष से मनोरंजन जगत में सक्रीय हैं. फिल्मों की दुनिया से जुड़ी चर्चा, चकल्लस और हर एक गॉसिप पर अपनी पैनी नजर बनाए, पाठकों के लिए वे बेहतरीन खबरें पेश करने को तत्पर हैं. श्यम 2 में अपनी दमदार एक्टिंग से लोहा बनवा चुकी एक्ट्रेस नेहा जोशी टेलीविजन फिल्म इंडस्ट्री में किसी पहचान की मोहताज नहीं है. दृश्यम 2 में उन्होंने एक इंस्पेक्टर का रोल किया था, जिसकी हर किसी ने सराहना की. मंगलवार को अपने अपकमिंग धारावाहिक अटल का प्रमोशन (।जंसं मतपंस च्तवउवजपवद पद स्नबादवू) करने के लिए अभिनेत्री लखनऊ पहुंची इस दौरान उन्होंने ईटीवी भारत से खास बातचीत की. दर्शकों ने लुटाया खूब प्याररू एक्ट्रेस नेहा जोशी ने ईटीवी से बातचीत के दौरान कहा कि दृश्यम 2 फिल्म में बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन के साथ काम करने का सुनहरा मौका मिला. इसके अलावा इसमें बहुत से बड़े कलाकार थे जिनके साथ काम करने में काफी ज्यादा अच्छा लगा. बड़ी कलाकारों से बहुत कुछ चीज सीखने को भी मिलता है. काम करने का तरीका, अभिनय के समय किरदार में ढलने का सलीका सीखते हैं. इसलिए फिल्म की शूटिंग में मैंने बहुत इंजॉय किया बहुत अच्छे से कम हुआ. जिसका रिजल्ट दर्शकों के सामने रहा. इसके अलावा दर्शकों ने भी बहुत प्यार दिया. फिलहाल धारावाहिकों में हूं सक्रियरू एक्ट्रेस नेहा ने बातचीत के दौरान बताया कि दृश्यम–2 के सफल होने के बाद धारावाहिकों में फिर से एंट्री की इस फिल्म की शूटिंग के बाद दूसरी मां और अब अटल में नजर आएंगी. फिल्म पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्मों में काम करना हो या फिर ध ाारावाहिकों में बतौर एक्टर मुझे कोई भी अंतर नहीं समझ में आता है बेशक थोड़ी शूटिंग का तरीका अलग है लेकिन अभिनय दोनों में ही करना पड़ता है. इसलिए, फिल्मों में काम करना हो या फिर धारावाहिकों में इससे मुझे कभी कोई एतराज नहीं होता है. खुद को बताया शॉर्ट टेंपडर्रू एक्ट्रेस नेहा जोशी ने बातचीत के दौरान अपने बारे में बताया इस दौरान वह कहती है कि उनका व्यवहार बहुत ही सरल और सहज है और थोड़ा शॉर्ट टेंपर्ड भी है बहुत ही जल्दी गुस्सा आ जाता है.

लेकिन, जब कभी उसे बात को रिलाइज करती हूं कि इसमें किसकी गलती है सामने वाले की गलती है तो तुरंत में माफ कर देती हूं. इसके अलावा जब मेरी गलती भी होती है तो भी मेरा गुस्सा बहुत ही जल्दी शांत हो जाता है. तब भी मैं सामने वाले से माफी मांग लेती हूं. वैसे तो बहुत ही शॉर्ट टेंपल हूं. लेकिन, गलती चाहे किसी की भी हो. मेरा गुस्सा तुरंत ही कुछ पल में ही शांत हो जाता है. कुछ किरदारों में जिया खुद कोरू ईटीवी भारत से बातचीत करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि पिछले 11 वर्षों से इंडस्ट्री में हूं. एक के बाद एक शो कर रही हूं. जिसमें अलग–अलग किरदार करने का मौका मिलता है. जिस तरह से मेरा नेचर है सरल, सहज और थोड़ा शॉर्ट टेंपर्ड. उस तरह का किरदार बहुत ही रेयर मुझे मिला है लेकिन हां जिस भी धारावाहिक में मुझे ऐसा किरदार मिला है उसे किरदार को मैंने बहुत ही अच्छे से जिया है. क्या होगा आगे का प्रोजेक्टरू एक्ट्रेस ने बातचीत के दौरान कहा कि यह सच बात है कि इंस्टाग्राम या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जब वह कोई भी फोटो या रील्स अपलोड करती हैं तो उसमें फैंस के कॉमेंट्स आते हैं. बहुत से फैंस फिल्मों में आने का प्रश्न पूछते हैं. उनके लिए मैं यही कहूंगी कि अभी फिलहाल में अटल ध ाारावाहिक में दिखाई दूंगी. आगे की कई प्रोजेक्ट है. रही बात फिल्म में काम करने की धीरे–धीरे नए प्रोजेक्ट आते जाएंगे फिल्मों में और वेब सीरीज या धारावाहिकों मैं काम करने में कोई भी ऐसा विशेष अंतर नहीं है.

मौनी रॉय ने ब्लैक और येलो गाउन में रेड कार्पेट में ढाया कहर

मौनी रॉय ब्लैक कलर के गाउन में कहर ढाती नजर आ रहीं हैं, जिन पर फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल...

सनी लियोनी ने ग्रीन आउटफिट में लूटी लाइमलाइट, देखें फोटोज

कान्स के इस लुक में सनी लियोनी ग्रीन कलर की सिंगल स्लीव थाई–हाई स्लिट आउटफिट में समंदर किनारे फोटोशूट करवाती नजर आ रहीं...

जॉर्जिया एंड्रियानी ने मरून ड्रेस में दिए किलर पोज, फोटोज में देखें खूबसूरत अंदाज

जॉर्जिया एंड्रियानी मरून कलर की आउटफिट में हाथों में बलून पकड़े नजर आ रही हैं, जो काफी वायरल भी हो रही...

80 और 90 के दशक की हिट बॉलीवुड एक्ट्रेसेस में से एक अमृता सिंह एक्टर सैफ अली खान से कभी अपने तलाक के कारण कभी चर्चा में रही थीं। एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने तलाक के बाद जिंदगी में आए बदलावों के बारे में बात की थी। जूम टीवी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि डिवोर्स के बाद उन्होंने फिल्मों में वापसी क्यों की थी। नहीं चाहती थी कि बच्चे लूजर समझेंरू अमृता अमृता ने कहा था, मुझे हर चीज से जल्दी से जल्दी उबरना था क्योंकि मैं नहीं चाहती कि मेरे बच्चे ये समझें कि वो ऐसे पेरेंट के साथ हैं जो लूजर है। मेरा मतलब है कि मैं अगर घर में रहती और परिस्थितियों को दोष देती रहती, मोटी हो जाती और बुरे दौर की वजह से खुद को कोसती रहती तो इससे मेरे बच्चों पर बुरा असर पड़ता। वो इस सोच के साथ बड़े होते कि मैं मुश्किलों से लाइफ में हार गई हूं जो कि मैं नहीं चाहती थी। सारा ने भी की परवरिश पर बात एक इंटरव्यू में सारा अली खान ने सिंगल मदर के साथ बड़े होने के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, मेरे ख्याल से सिंगल मदर के साथ बड़े होने से मेरी लाइफ पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल ने बेटी को जन्म दिया है। डेविड धवन ने अस्पताल के बाहर मौजूद मीडिया को यह खबर दी। उन्हें अपने नए पिता वरुण के साथ देखा गया। वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल ने बेटी को जन्म दिया है। डेविड धवन ने अस्पताल के बाहर मौजूद मीडिया को यह खबर दी। उन्हें अपने नए पिता वरुण के साथ देखा गया। जब पैपराजी ने डेविड से पूछा कि क्या वरुण और नताशा ने बेटी को जन्म दिया है, तो फिल्म निर्माता ने सिर हिलाकर हाँ कहा और कैमरामैन को शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले बताया गया था कि नताशा को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई है। सूत्र ने बताया कि डॉक्टर के अनुसार, नताशा इस सप्ताह बच्चे को जन्म देने वाली है। आज सुबह उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। वरुण इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि इस दौरान वह अपनी पत्नी के साथ रहें और उन्होंने सभी पेशेवर प्रतिबद्धताओं को बाद की तारीखध के लिए टाल दिया है। इससे पहले आज, अभिनेता को मुंबई के एक अस्पताल के बाहर देखा गया। वह एक छोटा सा बैग लेकर अस्पताल परिसर से अपनी कार में निकलते हुए देखे गए। वरुण धवन और उनकी फैशन डिजाइनर पत्नी नताशा दलाल ने अपने पहले बच्चे के आगमन की घोषणा करते हुए इंटरनेट पर हलचल मचा दी। पिछले साल मुंबई के एक क्लिनिक में जोड़े के देखे जाने की अटकलों के बावजूद, वरुण ने आधिकारिक तौर पर एक मार्मिक इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से प्रशंसकों के साथ दिल को छू लेने वाली खबर साझा की। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वरुण धवन ने अपने लिविंग रूम से एक शांत मोनोक्रोम स्नैपशॉट पोस्ट किया। तस्वीर में, वरुण घुटनों के बल बैठे हैं और नताशा दलाल के हाथों को थामे हुए उनके बेबी बंप पर प्यार से किस कर रहे हैं। इस सुखद घोषणा के साथ ही दंपति ने आश्वासन दिया कि माँ और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं, जो बढ़ते परिवार के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है। तस्वीर में उनका पालतू कुत्ता भी सोफे पर आराम से बैठा हुआ दिखाई दे रहा है, जिसकी नजर कैमरे पर टिकी हुई है। वरुण धवन ने पोस्ट को कैप्शन दिया, ष्हम गर्भवती हैं। आप सभी के आशीर्वाद और प्यार की जरूरत है। नताशा और वरुण बचपन के प्रेमी हैं। नताशा का दिल जीतने का वरुण का सफर पार्क में टहलना नहीं था। करीना कपूर खान के साथ उनके रेडियो शो पर एक स्पष्ट साक्षात्कार में, वरुण ने आश्चर्यजनक खुलासा किया कि नताशा ने कई बार उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। बॉलीवुड की हिट फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाने वाले अभिनेता ने अपनी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती के बारे में बताया जो अंततः प्यार में बदल गई। उन्होंने कहा ष्पहली बार मैं नताशा से छठी कक्षा में मिला था। हम ग्यारहवीं या बारहवीं कक्षा तक दोस्त थे। हम बहुत करीबी दोस्त थे, वरुण ने साक्षात्कार के दौरान खुलासा किया। अपने शुरुआती स्कूल के दिनों को याद करते हुए, उन्होंने बास्केटबॉल कोर्ट पर एक यादगार मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा, मुझे उसे देखना याद है, और, जब मैंने उसे उस दिन देखा, तो मुझे लगा कि मुझे उससे प्यार हो गया है।

अपनी त्वचा और बालों पर बेहतर परिणाम के लिए हल्दी के तेल को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। इससे मिलने वाले लाभों के बारे में हम इस लेख में आपको बताएंगे। हल्दी के तेल में शक्तिशाली जड़ी–बूटियां और सूजन–रोधी क्षमताएं हैं, जो इसे आपके सौंदर्य में एक प्रमुख घटक बनाती है। हल्दी के चमत्कारिक फायदे से हम सभी परिचित हैं, जैसे कि हल्दी का मास्क चेहरे पर लगाते हैं। लेकिन क्या आप अपनी त्वचा और बालों के लिए हल्दी तेल के उपयोग के बारे में जानते हैं? हल्दी से प्राप्त हल्दी का तेल एक बहुमुखी और शक्तिशाली प्राकृतिक उपचार है जो कई लाभ प्रदान करता है। हल्दी के तेल में शक्तिशाली जड़ी–बूटियां और सूजन–रोधी क्षमताएं हैं, जो इसे आपके सौंदर्य में एक प्रमुख घटक बनाती है। 2016 में जर्नल फाइटोथेरेपी रिसर्च में प्रकाशित एक अध्ययन में त्वचा पर हल्दी तेल के प्रभाव की जांच की गई। निष्कर्षों से तेल के कई लाभकारी प्रभावों का पता चला, जिसमें खोपड़ी पर शीर्ष पर लगाने पर बालों के झड़ने, खोपड़ी की खुजली और रूसी को संबोधित करने में इसकी प्रभावशीलता भी शामिल है। हल्दी तेल के त्वचा संबंधी लाभ

एंटी–इंफ्लेमेटरी के गुण

हल्दी के तेल में करक्यूमिन होता है, जो एक शक्तिशाली एंटी–इंफ्लेमेटरी यौगिक है। हल्दी के तेल को ऊपर से लगाने से मुंहासे, एक्जिमा और सोरायसिस जैसी विभिन्न त्वचा स्थितियों से जुड़ी सूजन, लालिमा और सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है।

एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा

हल्दी तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों को बेअसर करने में मदद करते हैं, त्वचा कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाते हैं। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने, महीन रेखाओं, झुर्रियों और उम्र के धब्बों की उपस्थिति को कम करने और अधिक यूथ रंगत को बढ़ावा देने में मदद करता है।

मुंहासे का उपचार

हल्दी के तेल में जीवाणुरोधी और रोगाणुरोधी गुण होते हैं जो मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में प्रभावी होते हैं। यह सीबम के उत्पादन को भी नियंत्रित करता है, जो बंद छिद्रों और ब्रेकआउट को रोकने में मदद करता है। नियमित रूप से हल्दी तेल का उपयोग करने से मुंहासे को साफ करने और साफ रंगत को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

चमकदार और समान त्वचा टोन

हल्दी के तेल में त्वचा को चमकाने वाले गुण होते हैं जो काले धब्बे, हाइपरपिग्मेंटेशन और मुंहासे के निशान को कम करने में मदद कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह मेलेनिन के उत्पादन को रोकता है, जो त्वचा के रंग के लिए जिम्मेदार वर्णक है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा का रंग एकसमान और चमकदार होता है।

मॉइस्चराइजिंग और हाइड्रेटिंग

हल्दी का तेल आवश्यक फैटी एसिड और विटामिन से भरपूर होता है जो त्वचा को पोषण और हाइड्रेट करता है, जिससे यह नरम, कोमल और नमीयुक्त हो जाता है। यह त्वचा के प्राकृतिक अवरोधक कार्य को मजबूत करने, नमी की कमी को रोकने और समग्र त्वचा स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है।

हल्दी तेल के बालों के फायदे

बालों के विकास को बढ़ावा देता है

हल्दी का तेल बालों के रोम में रक्त परिसंचरण में सुधार करके, जड़ों को मजबूत करके और बालों का झड़ना कम करके बालों के विकास को बढ़ावा देता है।

स्कैल्प की स्थिति का इलाज करता है

हल्दी तेल के सूजन–रोधी और एंटिफंगल गुण विभिन्न खोपड़ी स्थितियों, जैसे रूसी, खुजली और खोपड़ी सोरायसिस को शांत करने और ठीक करने में मदद करते हैं। यह खोपड़ी के पीएच स्तर को संतुलित करने में भी मदद करता है, जिससे स्वस्थ बालों के विकास के लिए एक इष्टतम वातावरण बनता है।

चमक जोड़ता है

इसके अलावा, हल्दी के तेल में करक्यूमिनोइड्स होते हैं, जो बालों को प्राकृतिक चमक और चमक प्रदान करते हैं। हल्दी तेल का नियमित उपयोग सुस्त, बेजान बालों को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकता है, जिससे वे स्वस्थ और अधिक जीवंत दिखते हैं।

सिर की त्वचा की जलन को शांत करता है

हल्दी के तेल में सुखदायक गुण होते हैं जो खोपड़ी की जलन और सूजन को शांत करने में मदद कर सकते हैं। यह खुजली, लालिमा और असुविधा से राहत देता है, संवेदनशील या चिड़चिड़ी खोपड़ी वाले लोगों को राहत प्रदान करता है।

हल्दी तेल का उपयोग कैसे करें

फेस मास्क

क्ष्ल फेस मास्क बनाने के लिए हल्दी के तेल को अन्य प्राकृतिक सामग्री जैसे शहद, दही, या दलिया के साथ मिलाएं। मास्क को ताजी साफ की गई त्वचा पर लगाएं और धोने से पहले इसे 15–20 मिनट तक लगा रहने दें।

बालों के तेल से उपचार

हल्दी के तेल को हल्का गर्म करें और इससे सिर और बालों में मालिश करें। अधिकतम लाभ के लिए इसे रात भर लगा रहने दें, फिर अगली सुबह हल्के शैम्पू से धो लें।

स्पॉट ट्रीटमेंट

मुंहासों के दाग, निशान या काले धब्बों पर सीधे हल्दी तेल की एक बूंद लगाएं, ताकि समय के साथ उन्हें हल्का करने में मदद मिल सके। किसी भी एलर्जी प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए पहले से ही पैच परीक्षण करना सुनिश्चित करें।

नारी डेस्करू दिन पर दिन गर्मी बढ़ती जा रही है, हर रोज पड़ रही तेज लू सभी के लिए उससे जान की दुश्मन बनी हुई है। लू जिसे हम हीट स्ट्रोक भी कहते हैं, उससे बचने के लिए लोग क्या कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसे में इन गर्मियों में सेहतमंद ड्रिंक के तौर पर कई पेय पदार्थों का सेवन किया जाता है, जिनमें से एक है बेल का जूस।

आपको जानकारी के लिए बता दें कि बेल एक फ्रूट होता है जिसे बिल्व भी कहा जाता है। बेल एक ऐसा फल है जिसे खाने से कई प्रकार के ढेरों फायदे पहुंचते हैं। इसमें बहुत से पौष्टिक तत्व होते हैं। गर्मियों में बेल का जूस पिने से कई तरह की परेशानियों से बचा जा सकता है। हम आपको आज इन्हीं के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लू से बचाव

छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक कोई भी गर्मियों के दिनों में लू की चपेट में आ सकता है।बेल का शरबत शरीर को ठंडक पहुंचाती है और शरीर को लू से बचाती है। इसके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। धूप में निकलने से पहले एक गिलास बेल का शरबत पीकर ही निकलें।

ब्रेस्ट कैंसर में फायदेमंद

कैंसर एक लाइलाज बीमारी है। इस बीमारी का अभी तक कोई सटीक और सही इलाज नहीं है। लेकिन ब्रेस्ट कैंसर में बेल का जूस बहुत ही ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। स्तन कैंसर को रोकने के लिए नियमित रूप से इस रस का सेवन करना बहुत उपयोगी है।

खुल जाएंगी आंतें

पाचन खराब होने पर आंतों का संकुचन कम हो जाता है, जो कि कब्ज बनाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन इस समस्या को गंभीर बना सकती है। मगर बिल्व रस पानी की पूर्ति करके आंतों को रिलैक्स करता है और संकुचन सामान्य करने में मदद करता है।

देता हैं ठंडक

बेल के रस को शहद के साथ मिलाकर पीने से एसिडिटी में राहत मिलती है। अगर आपको मुंह के छाले हो गए हैं तो भी इसका सेवन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। गर्मी के लिहाज से ये एक बेहतरीन पेय है। एक ओर जहां ये लू से सुरक्षित रखने में मददगार होता है वहीं शरीर को अंदर से ठंडक देने का काम करता है।

ह्रदय रोग में लाभदायक

दिल की बीमारी में बेल बहुत उपयोगी है। पके हुए बेल के जूस में थोड़ाः सा घी मिला लें। दिल से संबंधित बीमारियों जैसे हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक से बचने के लिए इस मिक्सचर को अपनी रोज की डाइट में शामिल कर लीजिये। इसके सेवन से आपका दिल, स्ट्रोक और अटैक से काफी हद तक बचा रहेगा। हार्ट के अलावा बेल ब्लड शुगर के लेवल को भी लगभग 50: से ज़्यादा तक कम कर सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर में लाभदायक

जो लोग हाई बीपी यानी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान हैं वह भी हर रोज बेल के शरबत का सेवन कर सकते हैं। इसमें पोटाशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो हाई बीपी को कम करने का काम करती है। इसके अलावा ये नसों को सुकून देने का काम करती है।

खून साफ करने में सहायक

खून अगर साफ न हो, तो स्कीन संबंधी कई किस्म की बीमारियां सामने आती हैं। बाजार में खून साफ करने के लिए कई किस्म की दवाईयां भी मिलती हैं। लेकिन बेल का शरबत इसका एक नेचुरल विकल्प है। हालांकि, इसके लिए आपको बेल के शरबत में कुछ मात्रा में गर्म पानी मिलाना होता है।

डायबिटीज में फायदेमंद

गर्मियों में बेल का शरबत पीने से डायबिटीज रोगियों की सेहत को फायदा होता है। बेल में मौजूद लैक्सेटिव ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद कर सकता है। मधुमेह रोगी इस शरबत का पूरा फायदा उठाने के लिए, इसे बनाते समय इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें।

एसिडिटी दूर करे

बेल के रस में शहद मिलाकर पीने से एसिडिटी दूर होती है। मुंह के छालों को ठीक करने के लिए आप इसे अपनी जीभ और मुँह के अंदर भी लगा सकते हैं। बेल शरीर की गर्मी और प्यास को भी शांत करता है। लंच या डिनर से पहले बेल का जूस पीने से भूख बढ़ती है। चिलचिलाती गर्मी के दौरान एक शीतल और तरावट देने वाला ड्रिंक है।

बार–बार होने वाले गर्भपात के पीछे कई कारण होते हैं, जैसे आनुवांशिक कारक, पर्यावरणीय कारक, संक्रमण, हार्मोन विकार आदि। आमतौर पर गर्भपात गर्भावधि के 20 सप्ताह से पहले होता है, लेकिन कुछ मामलों में यह पहले 12 सप्ताह में भी हो सकता है। लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं की बार–बार गर्भपात के लिए सटीक जांच और उपचार हो जाता है, लेकिन शेष 50 प्रतिशत मामलों में कारण अस्पष्ट रह जाते हैं या उनकी समस्या का कोई स्पष्ट कारण नजर नहीं आता।

'पेल्विक फ्लोर' है बड़ी समस्या

इस स्थिति का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कारण हो सकता है 'पेल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की कमजोरी जिसे स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा भी अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। 'पेल्विक फ्लोर' शरीर का वह हिस्सा है, जिसमें ब्लैडर, यूटेरस, वजाइना और रैक्टम होते हैं। यह हिस्सा महिलाओं के शरीर के सबसे अहम अंगों को सहेज कर रखता है। इसकी कमजोरी की समस्या पर काबू पाने के लिए अभी तक अधिक महत्व नहीं दिया गया है। गर्भपात की समस्या से पीड़ित अधिकांश महिलाएं सटीक कारण का पता लगाने के लिए पेट की जांच और परीक्षण करवाती हैं।

महिलाओं को करवानी चाहिए जांच

ऐसी सभी महिलाओं के लिए जरूरी है कि वे 'पैल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की भी जांच करवाएं ताकि इसकी कमजोरी की समस्या का भी पता चल सके। यदि यह आपके गर्भपात का कारण निकलता है तो स्त्री रोग विशेषज्ञ या पैल्विक फ्लोर रिहैबिलिटेशन स्पैशलिस्ट से उचित परामर्श लेना चाहिए। 'पैल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की कमजोरी का उपयुक्त इलाज और उसके बाद गर्भपात की समस्या का समाधान किया जा सकता है।

डॉक्टर से जरूर लें सलाह

एक्सपर्ट की मानें तो प्रेग्नेंसी के दौरान पेल्विक फ्लोर में बदलाव शुरू हो जाता है। इस बदलाव की वजह से पेल्विक फ्लोर के 25 प्रतिशत तक कमजोर होने की संभावना हो जाती है। इसलिए, डिलीवरी के बाद थोड़ी–थोड़ी एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार जिन महिलाओं को ऐसा लगता है कि उनकी पेल्विक फ्लोर कमजोर है और इसकी वजह से उन्हें समस्याएं हो रही हैं, तो इस विषय पर डॉक्टर से सलाह लें।

क्या है इसका इलाज

–कुछ मामलों में इलाज बिना सर्जरी के होता है, लेकिन ज्यादातर मामलों में इस समस्या का इलाज सिर्फ सर्जरी ही है।

–बिना सर्जरी के इलाज में पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों की मजबूती के लिए एक्सरसाइज कराई जाती है।

–अगर पेशाब की थैली या मलाशय नीचे आता है तो पेल्विक फ्लोर रिपेयर किया जाता है।

–अगर बच्चेदानी और वजाइना बिल्कुल नीचे आ गई हो तो बच्चेदानी निकालनी पड़ती है।

–योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भी पेल्विक मसल्स काफी बेहतर हो सकती है।

–कई बार कीगल्स एक्सरसाइज से इस समस्या का समाधान हो जाता है।

नारी डेस्करू सोते समय तकिया लेना हर किसी के लिए बेहद जरुरी होता है, खासतौर पर रात के समय। कई लोग तो 1 की बजाए दो या तीन तकिये भी लेकर सोते हैं। नर्म–नर्म रूई से भरे तकिये पर सोना भले ही बेहद आरामदायक होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे आप अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। दरअसल, सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लगता है, लेकिन यह सच है कि तकिया लगाकर सोने से हम कई बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। अगर आप भी एक या एक से ज्यादा तकिये लेकर सोते हैं तो पहले इससे होने बाले नुकसान के बारे में जरूर जान लें।

बढ़ जाती है गर्दन की अकड़न

तकिया बहुत ऊंचा हो या सख्त तकिया इस्तेमाल करने से कंध ों और गर्दन की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है जिससे गर्दन में दर्द और अकड़न की समस्या हो सकती हैं। गर्दन के मसल्स खिंच सकते हैं और सिर के पिछले हिस्से, पीठ और गर्दन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

स्पाइन से जुड़ी समस्याएं

तकिया लगाने से सोते समय शरीर का पॉस्चर बिगड़ जाता है और रीढ़ की हड्डी को क्षति पहुंच सकती है। इससे स्पाइन या रीढ़ की हड्डी का आकार बिगड़ सकता है और कई प्रकार की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं

जल्द आ सकता है बुढ़ापा

दरअसल, तकिए के सम्पर्क में आने से चेहरे की त्वचा खिंचती है और उसपर प्रेशर पर भी पड़ता है। इससे चेहरे की त्वचा पर झुर्रियां, फाइन लाइंस जल्दी दिख सकती हैं जो कि बुढ़ापे की निशानियां मानी जाती हैं। इसी तरह स्किन इंफेक्शन्स का खतरा भी बढ़ता है।

होती हैं त्वचा सम्बन्धी समस्या

तकिये की खोल को रोज नहीं धोया जाता है, जिसके कारण इसके ऊपर गंदगी, तेल, धूल और कहीं आपके बालों में डैंड्रफ है तो वह भी झड़ कर लग जाता है। यह सब आपके चेहरे की त्वचा के सम्पर्क में आते हैं, जिससे त्वचा सम्बन्धी समस्याएँ होने लगती हैं।

बिना तकिये लगाए सोने से होते हैं यह फायदे

कमर दर्द में होता है आराम

आपकी रीढ़ की हड्डी धीरे–धीरे टेढ़ी होनी शुरू हो जाती है। जी हां, तकिया लगाकर सोने से रीढ़ की हड्डी के नैचुरल पोश्चर में गड़बड़ी होनी शुरू हो जाती है और कमर दर्द शुरू हो जाता है। इसलिए बिना तकिए के सोने से आपकी गर्दन और रीढ़ की हड्डी सही पोजीशन में होती है और दर्द नहीं होता है।

नहीं होता सिरदर्द

जब भी आप रात के वक्त तकिया लगाकर सोते हैं तो सिर में खून की आपूर्ति सही तरीके से नहीं हो पाती है, जिसकी वजह से ऑक्सीजन भी सही से नसों तक नहीं पहुंच पाती है। यही वजह है कि आप अगले दिन सुबह उठने के बाद सिर में हल्का–हल्का दर्द महसूस करते हैं। जब आप बगैर तकिए के सोते हैं तो सिर में खून की आपूर्ति सही तरीके से होती है और सिरदर्द की समस्या नहीं होती।

तनाव से छुटकारा बहुत से लोग नींद न पूरी होने की वजह से अगले दिन चिड़चिड़ापन और खुद को तनाव से घिरा हुआ पाते हैं। अगर आपका तकिया आपको आराम नहीं दे पा रहा है तो आप और ज्यादा तनाव ग्रस्त हो सकते हैं। इसलिए बिना तकिया के सोकर आप तनाव से छुटकारा पा सकते हैं। गर्दन दर्द और खिंचाव से मिलता आराम तकिए के बिना सोने से आपकी गर्दन को भी दर्द और खिंचाव से आजादी मिलती है और आपके कंधे भी परेशान नहीं करते।

बिना तकिया लगाये सोने से गर्दन और कंधे में रक्त संचार सामान्य रूप से होता है और आप इससे जुड़ी दिक्कतों से परेशान नहीं होते।

बेहतर आती है नींद

कई अध्ययनों से पता लगा है कि तकिया लगा कर सोने की जगह बिना तकिए पर सोने पर नींद ज्यादा बेहतर आती है और आप दिनभर तरोताजा और रिलैक्स अनुभव करते हैं। सिर, गर्दन और कंध ों की नसों को आराम मिलने के चलते आप की नींद की क्वालिटी बेहतर हो जाती है और आप एक सुकून भरी नींद का मजा ले पाते हैं ।

कम होती हैं झुर्रियां

इससे उसका दायाँ या बायाँ गाल दब जाता है। यह तरीका आपके चेहरे पर घंटों तक दबाव बनाए रखता है जिससे रक्त संचार प्रभावित होता है और चेहरे की समस्याएं उभरती हैं। सबसे बड़ी समस्या चेहरे पर झुर्रियाँ जल्दी आने लगती हैं। यदि आप चाहते हैं कि आपके चेहरे पर जल्द से झुर्रियाँ नहीं पड़ने लगें तो आप तकिये के बिना सोना शुरू करें।

शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी नीता शर्मा जी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि अपर्णा गुप्ता लखनऊ से और विशिष्ठ अतिथि अनोवरा खातून, असम से, नवीन राणा गुरुग्राम से और रंजना वर्मा उन्मुक्त झारखंड से जुड़ीं।

यह काव्य गोष्ठी शाम 6 बजे से 7.45 बजे तक चली। जिसका शुभारंभ डॉ अनिता पंडा द्वारा गणेश वंदना और मल्लिका दे विष्णु द्वारा सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति द्वारा किया गया। काव्यगोष्ठी का कुशल संचालन सुनीता भट्ट गोजा जी ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, दया शर्मा, नीता शर्मा, मल्लिका दे विष्णु ने विद्या मिश्रा ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। जिसमें डॉ अनीता पंडा ने ष्कहमुकरियांष् गीता लिंबू ने ष्निर्भया को न्याय कब तकष् नीता शर्मा ने ष्बरगद की व्यथाष् सुनीता भट्ट गोजा ने ष्गीता सारष् और विद्या मिश्रा ने ष्खुद से रूबरूष् दया शर्मा ने ष्मुसाफिरष् मल्लिका दे विष्णु ने ष्मेरी बातष् कविताएं पढ़ीं। सभी अतिथियों ने भी अपनी सुंदर रचनाओं द्वारा सबका मन मोह लिया। मुख्यातिथि अपर्णा गुप्ता जी ने सभी कवयित्रियों की रचनाओं की समीक्षा कर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में मल्लिका दे विष्णु जी ने ध न्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

मौजूदा पर्यावरण संकट विषयक संगोष्ठी संपन्न

प्रयागराज। बायोवेद शोध संस्थान श्रृंग्वेरपुर प्रयागराज के तत्वावधान में ष्मौजूदा पर्यावरण संकट ष्विषय पर आज दिनांक 12 मई 2024 को एक संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता थे डाक्टर रामजी मिश्र। अध्यक्षता किए बायोवेद शोध संस्थान श्रृंग्वेरपुर प्रयागराज के निदेशक डाक्टर बी के द्विवेदी।

लखनऊ मंडलायुक्त ने मोती झील-जमुना झील का किया निरीक्षण

लखनऊ,(यूएनएस)। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने मोती झील एवं जमुना झील का औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता व तहसीलदार सदर सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। मंडलायुक्त ने जमुना झील के निरीक्षण दौरान उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अच्छी पद्धति के अनुसार झीलों के जीर्णोद्धार,सौंदर्यीकरण के कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। झीलों की साफ-सफाई अच्छे से कराया जाए। उन्होंने कहा की झीलों के संपूर्ण एरिया का पैमाइश कराते हुए चिन्हित करें व सीमांकन कराया जाए। अवैध अतिक्रमण मिलने पर तत्काल ध्वस्तीकरण कराया जाए। मंडलायुक्त ने मोती झील का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान झील के बगल बन रहे अटल पार्क के निर्माणधीन कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माणधीन कार्य में मेंनपावर व मशीनों की संख्या में बढ़ोत्तरी करते हुए कार्य में तेजी लाया जाए। मंडलायुक्त ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एलडीए व तहसील की संयुक्त टीम बनाकर उक्त झीलों का सर्वे कराया जाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे संबंधित भूमि की वास्तविक स्थिति का पता चल सके।

मोदी के 400 पार वाले दावे की जनता ने निकाली हवा : अजय राय

लखनऊ,(यूएनएस)। लखनऊ में यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में एनएसजी हब बनाए जाने की चर्चा पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा अच्छी बात है, लेकिन बीजेपी ने अयोध्या वासियों का दिल नहीं जीता। उन्होंने नीट की परीक्षा में हुई धांधली पर कहा कि देश के स्टूडेंट परेशान हैं। प्रदेश में अब तक 19 बार पेपर लीक हो चुका है।

पूरे देश में चर्चा है कि इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी आयोध्या में कैसे शानदार तरीके से चुनाव जीता है। यूपी ने मोदी जी के अबकी बार 400 पार के नारे को फेल कर दिया है। अयोध्या में इवेंट और मार्केटिंग करने की जगह जो लोग दर्शन करने आ रहे उनके लिए बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए। चुनाव से पहले मोदी जी ने 80 में 80 सीटें जीतने का दावा कर रहे थे लेकिन जनता ने उनको नकार दिया है। 400 पार का जो वो दावा कर रहे थे, जनता ने उसकी हवा निकाल दी है। काशी में 10 लाख वोटों से जीतने के दावा निराधार हो गया है। देवरिया, महाराजगंज और अमरोहा की सीट सरकार की मदद से हरवाई गई है। इन सीटों पर कांग्रेस जीत रही थी। कांग्रेस प्रदेश भर में आभार यात्रा निकालेगी। प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों तक हम जाएंगे। इसकी शुरुआत मंगलवार को रायबरेली से राहुल गांधी ने शुरू कर दी है। ये यात्रा 15 दिनों तक चलेगी। भाजपा ने दावा किया था कि आतंकवाद खत्म हो गया है पर ऐसा कुछ नहीं हो पाया है। जब जम्मू में आतंकी हमला हुआ तो उप राज्यपाल वाराणसी और गाजीपुर में प्रचार कर रहे थे। आईजी साहब और प्रधानमंत्री भी चुनाव प्रचार में थे। हम इसकी निंदा करते हैं। मृतकों में यूपी के कई लोग थे। सरकार ऐसी व्यवस्था करे कि इस तरह के हमलों की पुनरावृत्ति न हो। प्रदेश अध्यक्ष ने महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दाल के दाम बढ़ गए हैं। आटा है नहीं, बाहर से मंगाएंगे। कांग्रेस महंगाई के मुद्दे को उठाएगी। सरकार उद्योगपतियों को नहीं आम जनता को लाभ दे। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि भाजपा ने 370 के नाम पर वोट मांगे। जम्मू में एक भी प्रत्याशी अपने सिंबल पर नहीं लड़ाया। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आदिवासी समाज से आने वाली राष्ट्रपति को अयोध्या में नहीं बुलाया गया था। भाजपा ड्रामा न करे। यूपी ने उनकी राजनीति को नकार दिया है।

यूपी देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य

प्रदेश ने 10 जून को 28889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र को पीछे छोड़ा

यूपी में अधिकतम पीक मांग 29500 मेगावाट रही

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश ने भीषण गर्मी में विद्युत की बढ़ी मांग को सकुशल पूरा करते हुए एक बार फिर से पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति में सर्वाधिक 28889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र-गुजरात जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है।ऊर्जा मंत्री के किया है। उत्तर प्रदेश के विद्युत विभाग ने इस वर्ष भी पीक आवर में पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति का रिकॉर्ड बनाया है। जो कि उत्तर प्रदेश जैसे

करने का रिकार्ड बनाया है। प्रदेश में जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप बढ़ती विद्युत की मांग को पूरा करने में प्रदेश का ऊर्जा विभाग मंत्री एके शर्मा के निर्देशन में नये आयाम स्थापित कर रहा है। विगत दिनों उत्तर प्रदेश ने 29500 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत मांग को पूरा करते हुए देश में कीर्तिमान स्थापित किया था। ग्रिड इंडिया पॉवर सप्लाई रिपोर्ट के मुताबिक 10 जून को एक बार फिर से उत्तर प्रदेश ने देश कुशल निर्देशन में ऊर्जा विभाग ने विद्युत मांग की चुनौती को सकुशल पूरा कर विगत वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी नये रिकॉर्ड बना रहा है। दो वर्ष पहले तक यह रिकॉर्ड पूरे देश में महाराष्ट्र के नाम था। इस वर्ष 10 जून को जारी रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश ने 28889 मेगावाट, महाराष्ट्र ने 24254 मेगावाट, गुजरात ने 24131 मेगावाट, तमीलनाडु ने 16257 मेगावाट और राजस्थान ने 16781 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत अपूर्ति की मांग को पूरा बड़े राज्य में कुशल प्रबंधन एवं बेहतरीन नेतृत्व की बदौलत ही यह सम्भव हो सका है, जिसकी प्रशंसा पूरे देश में हुई है। उत्तर प्रदेश में 28 मई को देश में सर्वाधिक 29282 मेगावाट की पीक डिमांड को पूरा किया था। वहीं महाराष्ट्र में 23 मई को सर्वाधिक पीक डिमांड 27517 मेगावाट थी, जबकि उत्तर प्रदेश में 28010 मेगावाट विद्युत की पीक डिमांड थी। पिछले तीन सप्ताह के दौरान प्रदेश में विद्युत की पीक मांग पर दृष्टि डालें तो 23 मई को 28010 मेगावाट, 24 मई को 29147 मेगावाट, 25 मई को 29215 मेगावाट, 26 मई को 29084 मेगावाट, 27 मई को 29261 मेगावाट, 28 मई को 29282 मेगावाट तथा 29 मई को 29077 मेगावाट विद्युत की पीक मांग को सकुशल पूरा किया गया और प्रदेशवासियों को प्रचंड गर्मी में विद्युत संकट का सामना नहीं करना पड़ा, जहां कहीं पर भी अतिभारिता व स्थानीय दोषों के कारण आपूर्ति में व्यवधान हुआ, उसे भी शीघ्र ही ठीक करने का प्रयास किया गया।प्रदेश में बढ़ी हुई विद्युत मांग के अनुपात में ही ऊर्जा विभाग अनवरत विद्युत आपूर्ति कर रहा है। प्रदेश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों को मिलाकर लगभग 4634 सबस्टेशन उपभोक्ताओं तक विद्युत आपूर्ति करने का कार्य सुचारू रूप से कर रहे हैं।

जहां कहीं पर भी विद्युत की मांग बढ़ी है वहां पर नये विद्युत उपकेंद्रों को स्थापित करने, ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने तथा विद्युत आपूर्ति की जर्जर व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ऊर्जा विभाग निरंतर युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है।ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश के सभी विद्युत कार्मिको को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

चीर चुराए मुरारी

दे दो चीर हमारी मुरारी,
दे दो चीर हमारी।

चीर ले जाई कदम्ब चढ़ी बैठे ,
हम जल माझ उघारी ,
मुरारी दे दो चीर हमारी।

तुम्हरा चीर जबै हम देंबे,
हो जाओ जल से न्यारी,
मुरारी दे दो चीर हमारी ।

कैसे जल से बाहर आऊं,
तुम पुरुष हो हम नारी,
मुरारी देदो चीर हमारी।

बरुण देवता जल के भीतर,
वह है पुरुष तुम नारी मुरारी,
दे दो चीर हमारी।

पुरइन पात पहिन गोपी,
निकले कृष्ण बजावे तारी,
मुरारी दे दो चीर हमारी।
दे दो चीर हमारी मुरारी,
दे दो चीर हमारी।

बृज किशोरी त्रिपाठी
गोरखपुर उत्तरप्रदेश

अकबरनगर के लोग बोले-घर नहीं जिंदगी छूट रही

70 साल यहीं रहे, बिजली बिल और हाउस टैक्स भरे, एक झटके में उजाड़ दिया आशियाना

लखनऊ। अगबरनगर में बुलडोजर की गड़गड़ाहट। चीखते-चिल्लाते लोग। बिखरा हुआ मलबा। तस्वीरें यह समझने के लिए काफी हैं कि जो लोग 70 साल से यहां रह रहे थे, अब उनका आशियाना एक झटके में उजड़ गया। पिछले 2 दिन में निगम और स्व। ने 150 से अधिक मकान तोड़ दिए। जिस घर को महनत मजदूरी करके बनाया उसे टूटते हुए देख आंखों से आंसू नहीं थम रहे। लोगों का कहना है- श्घर नहीं जिंदगी छूट रही है। दरअसल, ये मकान कुकरैल नदी किनारे बने हैं। सरकार की तरफ से डूब क्षेत्र होने का हवाला देकर यहां से लोगों को नए घरों में शिफ्ट किया जा रहा है। यहां बने मकानों को अवैध बताया जा रहा है। लेकिन यहां के लोग का सवाल है कि जब हमसे हाउस-टैक्स वॉटर टैक्स, बिजली बिल की वसूली की जा रही, तब हमारा घर अवैध कैसे हुआ? इस कार्रवाई की हकीकत जानने के लिए दैनिक भास्कर टीम मौके पर पहुंची तब विस्थापित लोगों ने कहा- जो घर दिए जा रहे हैं वह बहुत छोटे हैं। उसमें घर का सामान तक नहीं आ सकेगा। अकबरनगर में सिर्फ हमारा घर नहीं, यहां से पीढ़ियों का रिश्ता है। रिश्ता-नाता, कामकाज, रोजी-रोटी का आधार यहीं से है। लेकिन घर ढहाकर जिंदगी उजाड़ दी गई है। अकबरनगर के रहने वाले अनवर अली की उम्र (70) साल है। अनवर साइकिल मैकेनिक हैं। वह बताते हैं गोविंदनगर में जो मकान मिला है, उसका कब्जा नहीं मिला है। उससे पहले ही हमें निकाल दिया गया। अभी सिर्फ फ्लैट का आवंटन हुआ है। निर्माण कार्य पूरा भी नहीं हुआ है। अनवर बताते हैं कि हमें जो फ्लैट दिया जा रहा है वो बहुत छोटा है। फ्लैट में एक कमरा और एक बरामदा है। कमरे की लंबाई 8 फिट और चौड़ाई 10 फिट है। बरामदे की लंबाई और चौड़ाई दोनों 10 फिट है। एक बाथरूम है। मेरे परिवार में रहने वाले 10 लोग हैं। यहां मकान बड़ा था। हम आसानी से रह पाते थे। जीवन की पूरी कमाई जोड़-जोड़ कर इस मकान को बनाया है। 70 साल से यहीं पर रहते आ रहे आज यह करोड़ों की जमीन और मकान है। यही सबकुछ है, लेकिन आज हमें यह छोड़ना पड़ रहा है। आंखो में भरा आंसू बोली कुछ नहीं बोलेंगे, नहीं जल रहा चूल्हा सड़क के किनारे खड़ी रूबीना। अकबरनगर को निहार रही हैं। आंखों में आंसू डबडबा रहा। मैं बात करना चाहा। वह कहती हैं क्या ही बोले बताइए,कुछ बच ही नहीं रहा। उन्होंने बात करते हुए कहा कि किसी तरह से घर के सामने दो कमरे लॉकडाउन के पहले बनवाए। पति का एक्सीडेंट हो गया। इलाज में ज्यादा पैसा खर्च हुआ तो कमरा किराया पर दे दिया। इसी से उनका इलाज हुआ, लेकिन अब इनकम की खत्म हो गई। अभी प्लॉट का आवंटन भी नहीं मिला है। इसके चलते टूटे हुए घर में रह रही। गैस, फ्रिज, कपड़ा, कूलर, बक्शे सहित अन्य सामान एक जगह इक्कठा कर के पड़ा है। उनका कहना है चूल्हा नहीं जल रहा। पिछले एक महीने से बिजली, पानी कटा हुआ है। स्थिति खराब है। आशियाने के साथ छिन गया रोजी रोजगार विनय बताते हैं कि 37 साल के हो गए हैं। यहीं पर रह रहे हैं। मां बाप पहले से रह रहे थे। परिवार में तीन भाई रहते हैं। घर एक ही को घर मिल रहा। सब अलग-अलग रहेंगे। ढपली में रहना पड़ेगा सामान लेकर वसंतकुंज जा रहे हैं। यहां पर कमाना, खाना और रहना सब एक साथ हो रहा था। सबकुछ छिन गया है। सामान को शिफ्ट करने का भी समय नहीं मिल रहा है। पिकअप से सामान लादकर ले जा रहे। महिलाएं बोली हमें नहीं मिल रहा आवास सरवरी ने कहा कि बिजली और बत्ती नहीं मिल रही है। हम यहीं पर रहते हैं। हमें मकान नहीं मिला है। हमारा आधार निशातगंज का है इसलिए नहीं मिला है। परिवार में 12 लोग हैं। सामान झोपड़ी में पड़ा है गिरा दें उसे क्या करना है। वहीं सबा परवीन कहती हैं कि हम फुटपाथ वाले हो गए हैं। खाने की दिक्कत है, राशन नहीं है। गरीबों की हालत खराब है। पांच साल पहले शादी हुई तो यहां आए, अब घर भी चला गया। नाम बताने से बच रहे लोग, सामान निकालने के लिए भी जगह नहीं एक व्यक्ति ने कहा कि घर को तोड़ा जा रहा है। सामान निकालने के लिए जगह भी नहीं दी जा रही। उनका कहना है कि पूरी पूंजी घर में लग गई। तीन बच्चे हैं। अब उनकी शादी करनी है। हम 20 साल पीछे चले गए हैं। वहीं, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की तरफ से इंटर लॉकिंग के शिलान्यास का बोर्ड भी लगा हुआ है। इसके साथ ही कई लोग घर टूटने से गुस्से में हैं। वह अभद्रता भी कर रहे।छह सौ से अधिक को घर का आवंटन अकबर नगर में 600 से अधिक को घर का आवंटन किया गया है। इसके लिए कुल 1679 परिवार अभी तक चयनित किए गए हैं। इसके लिए 1818 से अधिक आवेदन आ चुके हैं। इसमें कुल मकान और दुकान की संख्या 1240 है। 1139 आवासीय मकान हैं, जबकि 101 व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स हैं। 4. 79 लाख रूपए का मिल रहा घर, 73 करोड़पति विस्थापित हो रहे लोगों को सरकार की तरफ से घर दिया जा रहा है। इसके लिए पांच हजार रूपए प्रति महीने की दर से किस्त पर लिए जाएंगे। वहीं, अकबरनगर में 73 करोड़पति भू माफिया भी सामने आए हैं, जिन्होंने जमीन पर कब्जा किया था। इसी से 101 कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण हुआ और

संक्षिप्त समाचार

अतिक्रमण रोकने पर महिला को घसीटा,अकबरनगर में तीसरे दिन बुलडोजर से ढहे मकान

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के अकबरनगर में तीसरे दिन भी ऑपरेशन बुलडोजर जारी है। कुछ लोगों ने अभी तक घर नहीं खाली किया है। प्रशासन मुनादी के जरिए जल्द मकान खाली करने की चेतावनी दे रहा है। तीसरे दिन की कार्रवाई के दौरान महिला विरोध में सड़क पर उतर आई। पुलिस ने उसे घसीटकर हटाया। पूरे इलाके में पानी-बिजली कनेक्शन काट दिया गया है। ताकि लोग घर जल्दी खाली कर दें। प्रशासन ने फेज-1 में ज्यादातर लोगों ने घर खाली कर लिए हैं। दो दिन में अब तक 150 से ज्यादा मकानों पर बुलडोजर चल चुका है। पीएम आवास योजना के तहत बसंत कुंज में अब तक 500 से ज्यादा परिवारों को फ्लैट दिए जा चुके हैं। अभियान के पहले दिन 45 तोड़े गए थे। 6 पोकलेन और 16 बुलडोजर से घर ढहाने में लगे। पीएसी-आरएएफ की 8 कंपनियां मौके पर तैनात रहीं। 12 साल की एक बच्ची ने वीडियो जारी कर अखिलेश यादव और राहुल गांधी से मदद की गुहार लगाई। 8 घंटे की कार्रवाई में 105 मकान तोड़े गए। दो हजार से ज्यादा कर्मचारी और फोर्स के जवान तैनात रहे। 5 बुलडोजर अभियान में लगी रहीं। एक मस्जिद गिराने के पास कार्रवाई पर भीड़ जमा हो गई थी। एक जेसीबी पलट गई। 50 गाड़ियों से यहां के लोगों को उनके नए घरों में भेजा गया।

मां ने डांटा तो बेटी नदी में कूदी,बचाने के लिए कूदा युवक भी डूबा,तलाश में जुटी पुलिस

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी लखनऊ की गोमती नदी में 11 साल की बच्ची छलांग लगा दी। उसे बचाने के लिए एक युवक नदी में कूदा लेकिन वह भी डूब गया। हालांकि बच्ची को बाहर निकाल लिया गया है। बच्ची का इलाज अस्पताल में चल रहा है। युवक की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा लड़की मां की डांट से परेशान होकर ऐसा कदम उठाई है। बुधवार को मदेयगंज की रहने वाली 11 साल की नाबालिग ने नदी में छलांग लगा दी। बच्ची को ढूंढते हुए बच्ची के परिजन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि बच्ची को मां ने डांट दिया था। जिसके बाद गुस्से में उसने नदी में छलांग लगा दी। बच्ची को छलांग लगाता देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया। इसके बाद उसे बचाने के लिए एक युवक नदी में कूद गया। गोताखोरों और युवक की मदद से लड़की बाहर निकाल लिया गया। लड़की को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। जबकि उसे बचाने के लिए कूदा युवक डूब गया। मौके पर युवक की तलाश की जा रही है।

तीन आईएएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ,(यूएनएस)। त्तर प्रदेश शासन ने आज तीन आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। 2015 बैच के आईएएस अधिकारी धनंजय शुक्ला को अपर आयुक्त राज्यकर बनाया गया है। वे अभी तक विशेष सचिव नियुक्ति के पद पर तैनात रहे हैं। वहीं 2018 बैच के आईएएस अफसर विजय कुमार अब विशेष सचिव नियुक्ति होंगे।वे अभी तक विशेष सचिव खनन एवं अतिरिक्त प्रभार नियुक्ति का दायित्व निभा रहे थे। इसके अलावा डॉक्टर मन्नान अख्तर स्ट्डी लीव पूरी कर अमेरिका से लौटे।डॉक्टर मन्नान अखख्तर को विशेष सचिव खनन नियुक्त किया गया है।

हादसों का बुधवार, यूपी के 3 जिलों में 13 लोगों की मौत

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के 3 जिलों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं, बहराइच में बुधवार तड़के छत पर सो रहे कुछ लोगों पर पड़ोस के मकान की जर्जर दीवार गिर गई, जिसके नीचे दबकर तीन बच्चों की मौत हो गई और दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। रामगांव थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने बताया कि रामगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत भगवानपुर माफी गांव में रहने वाले रहीस अपनी पत्नी, बच्चों और 10 वर्षीय भांजे इमरान के साथ मंगलवार रात मकान की छत पर सो रहा था। उन्होंने बताया कि बुधवार तड़के करीब चार बजे पड़ोसी मोहम्मद हुसैन के घर की जर्जर दीवार छत पर सो रहे परिवार के ऊपर गिर गयी और सभी मलबे में दब गए। अधिकारी ने बताया कि गांव वालों की मदद से सभी को मलबे से बाहर निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान रहीस के पुत्र गुफरान (पांच), पुत्री मिसबा (तीन) और भांजे इमरान (10) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल रहीस (35) व उनकी पत्नी शरीफुन निशा (30) का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं, आज हरदोई जिले में हाईवे के किनारे झोपड़ी में रह रहे परिवार पर बालू लदा ट्रक पलट गया। इस हादसे में 4 मासूमों सहित 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद से पूरे इलाके में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, घटना मल्लावां कस्बे में चुंगी संख्या 02 की है, जहां पर पर बल्ला कंजड़ अपने परिवार के साथ झोपड़ी डालकर रहता था। मंगलवार की रात रोजाना की तरह परिवार सड़क के किनारे सो रहा था। इसी बीच बुधवार को तड़के मेंहदीघाट कन्नौज की तरफ से हरदोई जा रहा बालू लदा ट्रक झोपड़ी के ऊपर पलट गया। परिवार पर बालू लदा ट्रक पलटने से पूरा परिवार उसके नीचे दब गया।

यूपी में अभी और कहर बरपाएगी गर्मी! कई जिलों में लू का अलर्ट

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में लगातार भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। बढ़ती गर्मी से पशु-पक्षियों समेत इंसानों का बुरा हाल हो रहा है। वहीं, हीटवेव का अलर्ट भी लगातार बढ़ता ही जा रहा है। मौसम विभाग ने एक बार फिर यूपी के कई जिलों में अगले 4 दिन के लिए हीट वेव का अलर्ट जारी कर दिया है। फिलहाल अभी गर्मी कम होने की कोई उम्मीद नहीं है। इसलिए लोगों को गर्मी से बचने के लिए दोपहर के समय में घर से न निकलने और ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आज उत्तर प्रदेश का तापमान 41 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। अगर बीते मंगलवार की बात करें तो प्रदेश के कई शहर लू की चपेट में रहे, जबकि गोरखपुर, बहराइच और प्रयागराज में गर्मी सामान्य से कुछ ज्यादा रही। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक, 11 जून को प्रयागराज में सबसे अधिकतम तापमान 47.1से0 दर्ज किया गया।मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर और इसके आसपास के इलाकों में हीट वेव का अलर्ट जारी कर दिया है।

संक्षिप्त

बाइडेन का बेटा हंटर गन केस में दोषी करार

25 साल की जेल हो सकती है, 120 दिन बाद होगा सजा का ऐलान

वॉशिंगटन। अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले चुनावों से पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके बेटे हंटर बाइडेन को गन केस में 7 दिन की सुनवाई के बाद दोषी करार दिया गया है। डेलावेयर की एक कोर्ट ने हंटर को दोषी ठहराया है। यह पहली बार है, जब अमेरिका में किसी मौजूदा राष्ट्रपति की संतान को कोर्ट ने दोषी ठहराया है। हंटर पर आरोप है कि उन्होंने गन के लाइसेंस के लिए आवेदन के दौरान अपनी नशे की लत की जानकारी छिपाई थी। हंटर के दोषी पाए जाने के 120 दिनों के अंदर उनकी सजा का ऐलान हो सकता है। उन्हें 25 साल तक की जेल हो सकती है। 4 दिन पहले फ्रांस दौरे पर बाइडेन ने कहा था कि अगर गन ट्रायल में उनका बेटा दोषी पाया जाता है तो वे उसे कभी माफ नहीं करेंगे। जिन 3 मामलों में हंटर को दोषी माना गया है, उनमें से 2 में 10–10 साल की जेल और तीसरे मामले में 5 साल की सजा का प्रावधान है। फेडरल गाइडलाइंस की सिफारिशों की मानें तो सजा को कम या ज्यादा रखना जज पर निर्भर करता है।

शहबाज सरकार से बातचीत को तैयार इमरान

पीटीआई बोली- देश की भलाई में फैसला, भारत-पाक मैच में 'इमरान को रिहा करो' का बैनर दिखा था

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के चेयरमैन गौहर अली खान ने मंगलवार को कहा कि जेल में बंद इमरान सब कुछ भुलाने को तैयार हैं। पाकिस्तानी मीडिया 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक, गौहर अली खान ने यह सारी बात इमरान खान से मुलाकात के बाद कही है।

उन्होंने कहा कि इमरान खान को शहबाज सरकार की तरफ से कोई भी डील ऑफर नहीं हुई है। इमरान ने बार–बार कहा है कि बातचीत होनी चाहिए। वह देश के खातिर सब कुछ माफ करने को तैयार हैं। उन्होंने बताया कि इमरान को उनके बेटे से मिलने की भी इजाजत नहीं दी गई। उन्हें कम से कम दो हफ्ते में एक बार अपने बच्चों से मिलने देना चाहिए।

गौहर अली खान ने कहा कि इमरान खान को जेल से बाहर लाने के लिए कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले 9 जून को न्यूयॉर्क में हुए टी 20 विश्व कप में भारत बनाम पाकिस्तान मैच के दौरान स्टेडियम के ऊपर 'इमरान खान को रिहा करो' के बैनर के साथ एक एयरक्राफ्ट उड़ता देखा गया था।

इमरान खान 10 महीने से जेल में बंद

इमरान खान 10 महीनों से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद इस साल फरवरी में पाकिस्तान में हुए चुनाव से कुछ दिन पहले ही खान को 3 मामलों में कुल 31 साल की सजा सुनाई गई। इनमें तोशाखाना से जुड़ा एक मामला और बुशरा के साथ गैरकानूनी निकाह का केस शामिल है।

पीटीआई नेता ने कहा था– गौहर खान ने बताया कि इमरान ने उनसे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की चीन यात्रा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शरीफ के चीन जाने के बावजूद पाकिस्तान को कुछ हासिल नहीं हुआ। सरकार अपने खर्चों को पूरा करने में विफल रही है। गौहर ने कोर्ट से इमरान के मामले में जल्द सुनवाई करने की अपील की है।

फौज के साथ डील करके फिर से पीएम बन जाएंगे इमरान

इससे पहले पीटीआई के नेता फवाद चौधरी ने कहा था कि अगर इमरान फौज के साथ डील कर लें तो वे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। ऐसे में पीएम शहबाज को अपने घर नहीं बल्कि उन लोगों से खतरा है, जो उन्हें सत्ता में वापस लाए हैं। दरअसल, करीब 1 महीने पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इमरान और फौज के बीच बातचीत हुई है।

दरअसल, इमरान और फौज के बीच समझौते की बातों को हवा तब मिली जब पीटीआई के नेता शहरयार अफ्रीदी ने जियो न्यूज से बातचीत में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही आर्मी चीफ और ISS प्रमुख से बातचीत करेगी।

28 अप्रैल को मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इमरान खान ने फौज के साथ समझौता करने के लिए हरी झंडी दे दी है। हालांकि, 30 अप्रैल को पीटीआई के चेयरमैन बैरिस्टर गौहर खान ने इन दावों को खारिज कर दिया था।

हमास चीफ सिनवार बोला- फिलिस्तीनियों की मौत हमारे लिए जरूरी

कहा- इससे देश आजाद होगा, गाजा में सीजफायर से ज्यादा बमबारी से हमें फायदा

हमास चीफ याह्या सिनवार ने कहा है कि जंग में गाजा के आम नागरिकों की मौत फिलिस्तीन की आजादी के लिए जरूरी है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, सिनवार ने हमास के लड़ाकों और सीजफायर के लिए बिचौलियों से संपर्क रखने वाले अधिकारियों से कहा है कि वे नहीं चाहते यह जंग रुके।

सिनवार का मानना है कि युद्ध में जितने ज्यादा आम नागरिकों की मौत होगी, हमास को उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, हमास के पॉलिटिकल लीडर इस्माइल हानिए के तीन बेटों और 4 पोतों की एयरस्ट्राइक में हुई मौत पर सिनवार ने कहा था, 'लोगों की इस कुर्बानी से फिलिस्तीन को नई जिंदगी मिलेगी। इससे देश विकास और सम्मान की तरफ आगे बढ़ेगा।'

सिनवार बोला– हमास जंग लड़ने में सक्षम, सीजफायर की चर्चा शर्मनाक

जंग शुरू होने के बाद सिनवार की तरफ अपने साथियों को भेजे गए संदेशों में उसने कहा है कि गाजा में बमबारी उनके मकसद के लिए सकारात्मक है। उन्हें सीजफायर से वह फायदा नहीं होगा, जो गाजा पर इजराइल के हमलों से होगा। जब तक हमास के लड़ाके जंग लड़ने में सक्षम हैं और हमास यह लड़ाई हारा नहीं है, तब तक सीजफायर से जुड़ी बैठकें करना शर्मनाक है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सिनवार ने पिछले हफ्ते अरब में मौजूद मीडिएटर्स ने कहा था कि हमास किसी भी कीमत पर परमानेंट सीजफायर की अपनी मांग से पीछे नहीं हटेगा। साथ ही वह हथियार सरेंडर करने के प्रस्ताव पर कभी राजी नहीं होगा।

सिनवार ने अल्जीरिया की आजादी की जंग से की फिलिस्तीनियों की मौत की तुलना

दरअसल, पिछले कुछ समय से हमास पर आरोप लगे हैं कि उसने जंग के 8 महीनों के दौरान जानबूझकर अपने लोगों को नुकसान पहुंचाया है।

चीन से नतीजों के 8 दिन बाद मोदी को बधाई

पीएम कियांग बोले- मिलकर रिश्ते आगे बढ़ाने को तैयार, ताइवान की बधाई पर ऐतराज जताया था

बीजिंग। भारत में लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के 8 दिन बाद चीन के चीन के स्टेट मीडिया शिनहुआ के मुताबिक, प्रधानमंत्री ली कियांग ने पीएम मोदी को बधाई दी है। मंगलवार को चीनी पीएम ने कहा, चीन–भारत संबंधों का मजबूत और स्थिर विकास न केवल देशों की भलाई के लिए जरूरी है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र और दुनिया में स्थिरता लाने का भी काम करता है।

ली कियांग ने आगे कहा, चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों

के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को सही दिशा में ले जाने के लिए तैयार है। यह दोनों देशों के नागरिकों के लिए भी सही फैसला होगा। इससे पहले चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भी पीएम नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी थी।

चीन का यह बयान तब आया है, जब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि नई सरकार बनने के बाद भारत जल्द ही तिब्बत की 30 जगहों के नाम बदलने वाला है। भारतीय सेना जल्द ही नए नामों के साथ एलएसी का नया मैप भी जारी करेगी।

तिब्बत की जगहों के नाम काफी रिसर्च के बाद भारत के पुराने नामों के आधार पर रखे गए हैं। दरअसल, चीन कई बार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की जगहों के नाम बदलता रहता है। इसी मामले में चीन को जवाब देने के लिए भारत ने यह फैसला किया है। पीएम मोदी के बयान पर चीन ने कहा था– ताइवान से दूर रहे भारत

इससे पहले 6 जून को चीन ने ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग ते के मोदी को बधाई देने और उस पर पीएम के जवाब पर आपत्ति जताई थी।। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा था कि दुनिया में सिर्फ एक चीन है। ताइवान चीन का ही एक हिस्सा है। चीन ताइवान को अलग देश मानकर उससे रिश्ते रखने वाले देशों का विरोध करता है।

उन्होंने कहा था कि दुनिया एक चीन के सिद्धांत को मानती है। इसी आधार पर वह दुनियाभर देशों के साथ संबंध बनाता है। भारत भी उन देशों में है जो वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी को ताइवान के राष्ट्रपति की बधाई का विरोध करना चाहिए।

दरअसल, ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने 5 जून को पीएम मोदी को लोकसभा चुनाव में जीत पर बधाई दी थी। इस पर मोदी ने अपने जवाब में लिखा था, 'भारत ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए तैयार है।' मोदी के इस कमेंट से चीन भड़क गया था। चीन ने भारत को चेतावनी दी थी कि वह ताइवान से दूर रहे।

गलवान झड़प के बाद से भारत–चीन में तनाव बढ़ा

भारत–चीन के बीच 2020 में हुई गलवान झड़प के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। दरअसल, अप्रैल–मई 2020 में चीन ने ईस्टर्न लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने सैनिकों को जमा किया था। इसके बाद कई जगह पर घुसपैठ की घटनाएं हुई थीं। भारत सरकार ने भी इस इलाके में चीन के बराबर संख्या में सैनिक तैनात कर दिए थे। हालात इतने खराब हो गए कि 4 दशक से ज्यादा वक्त बाद एलएसी पर गोलियां चली थीं।

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

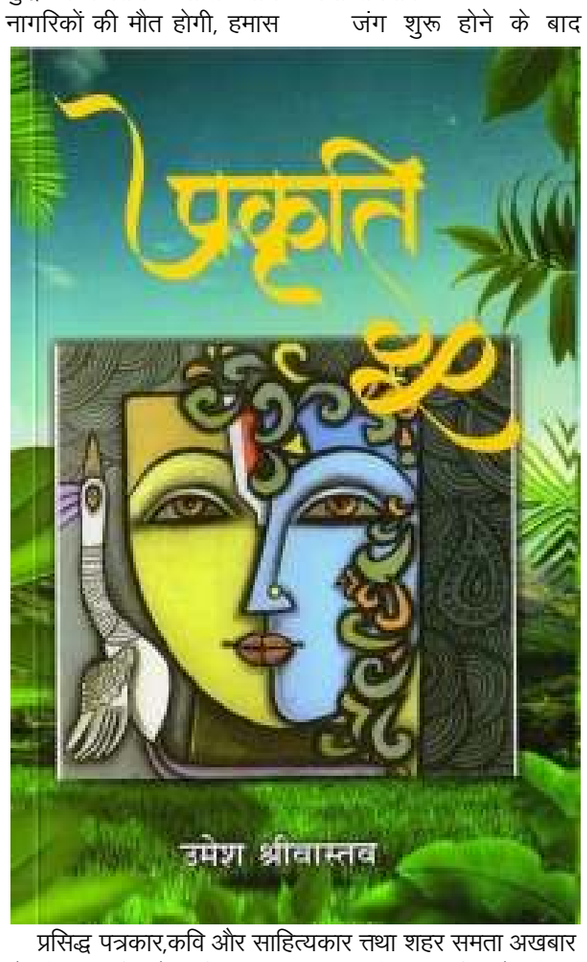

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

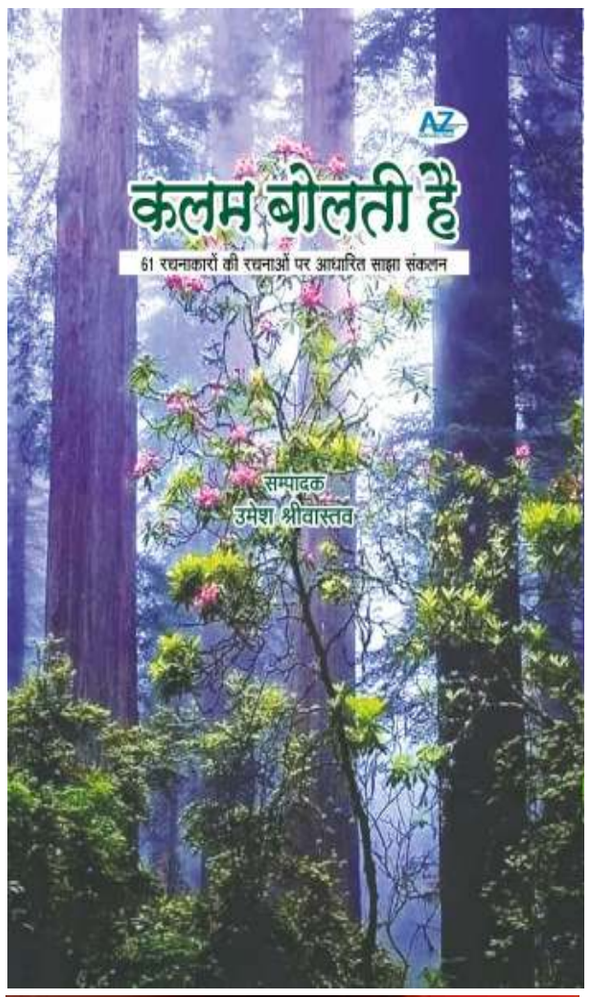

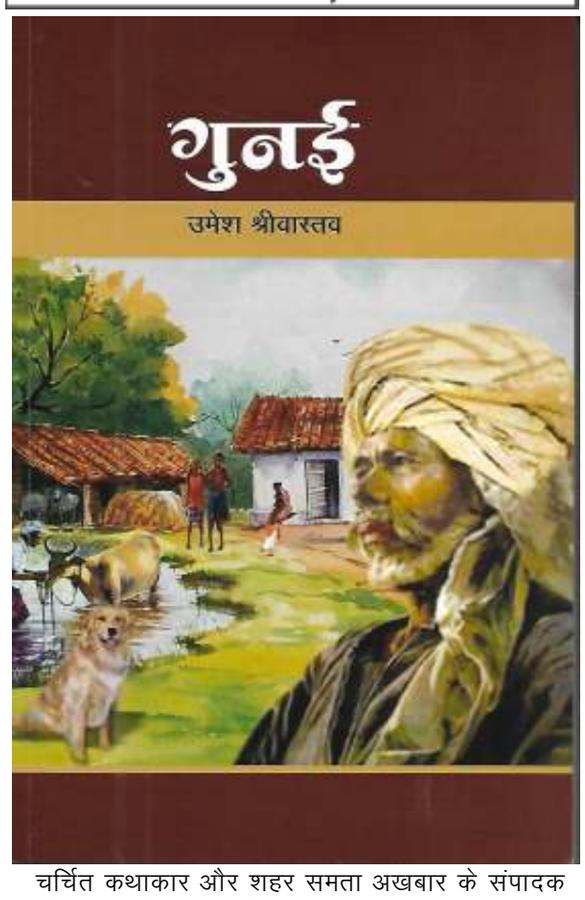

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

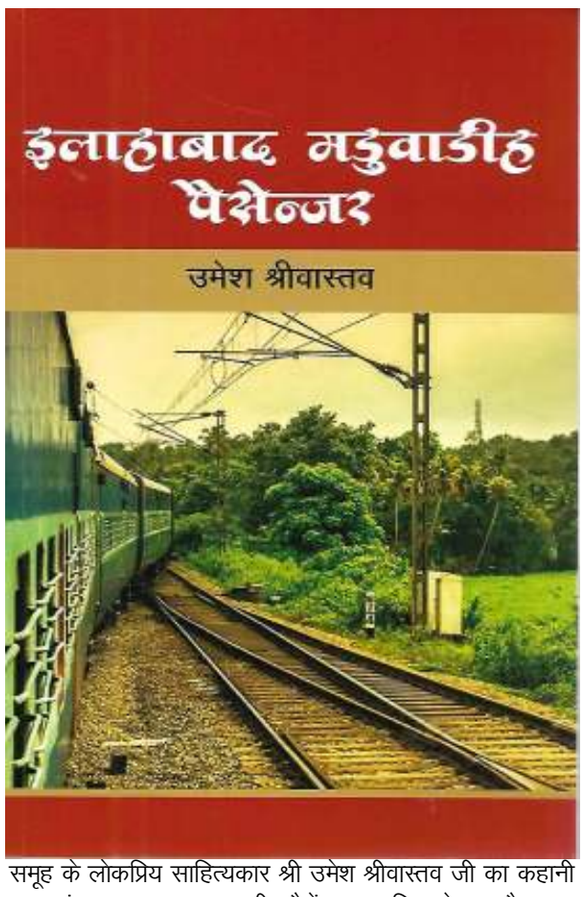

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

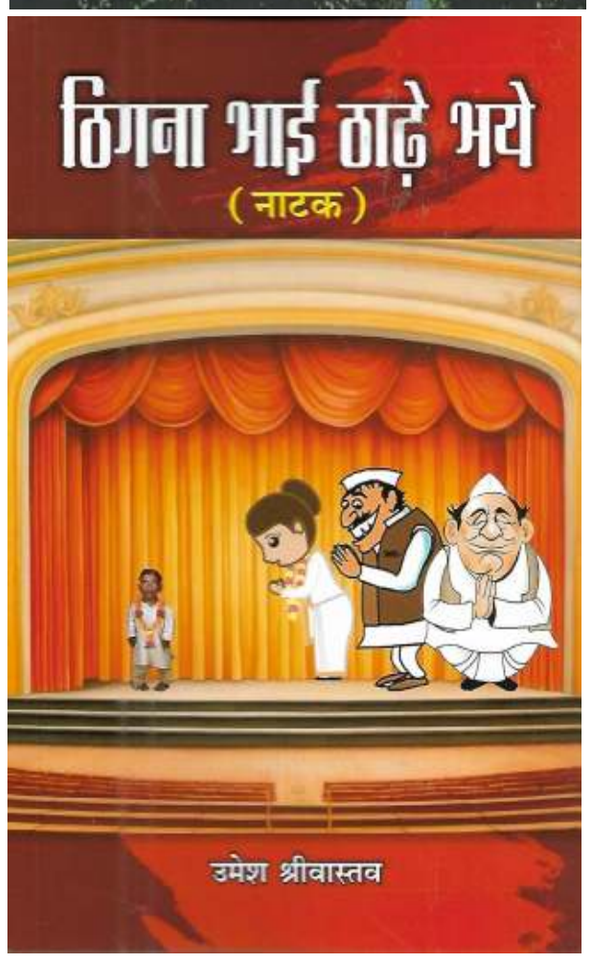

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।